आश्विन कृष्ण पक्ष-12, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 97 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
29 सितम्बर 2024
रविवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
22 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

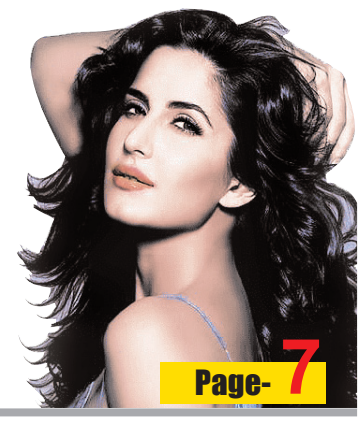
Page- 7

अब राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पार्ट 3, भाजपा के स्टार प्रचारक सक्रिय

जिताऊ सीटों पर ताकत झोंक रहे दोनों

हरियाणा में कांग्रेस- भाजपा के बीच कांटेका चुनावी मुकाबला

नई दिल्ली, दोपहर मेट्रो/ एजेंसी।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के प्रचार के आखिरी दौर में कांग्रेस ने जीत को लेकर नया प्लान तैयार कर लिया है। इसके तहत राहुल गांधी अलग-अलग रैलियों की जगह अब एक रथ यात्रा शुरू कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक इस रथ यात्रा की शुरुआत कल 30 सितंबर से हो सकती है। यात्रा 3 अक्टूबर तक जारी रहेगी हरियाणा में पाच को मतदान है। यह यात्रा भारत जोड़ो यात्रा की तर्ज पर होगी। जिसकी वजह से इसे भारत जोड़ो यात्रा पार्ट-3 भी कहा जा रहा है। यात्रा का रूट सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि रूट में वो सीटें जरूर शामिल होंगी, जहां पर कांग्रेस जीतने की स्थिति में दिख रही है। यानि संभावनाओं को ज्यादा पुख्ता बनाने की गरज से यह यात्रा निकलेगी। यात्रा में राहुल के साथ उनकी बहन व महासचिव प्रियंका गांधी भी शामिल रहेंगी। यह अंबाला के नारायणगढ़ से शुरू होगी और कई विधानसभा क्षेत्रों से होते हुए पहले दिन शाम को कुरुक्षेत्र पहुंचेगी। कांग्रेस

सूत्रों का कहना है कि यात्रा शुरू करने की सबसे बड़ी वजह यह है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा सियासी तौर पर सफल रही हैं। हाल के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की बढ़ी सीटों के कई कारणों में भारत जोड़ो यात्रा को भी महत्वपूर्ण माना जाता है। वहीं प्रियंका गांधी ने अभी तक हरियाणा में प्रचार अभियान से दूरी बनाई हुई थी, लेकिन अब वह इस यात्रा के अलावा भी वह कई जगहों पर रैलियां कर कांग्रेस के उम्मीदवारों के पक्ष में वोट मांगने उतर रही हैं। खास बात यह है कि बीती 26 सितंबर को राहुल गांधी के दौरे से कांग्रेस को हरियाणा में एकता की तस्वीर पेश करने में मदद मिली इससे भाजपा को झटका लगा, क्योंकि भाजपा लगातार कह रही थी कि देश की सबसे पुरानी पार्टी विभाजित है।

अब मौलवी भी राम-राम कहते हैं: योगी

भाजपा ने कांग्रेस की काट के लिये अपने सभी स्टार प्रचार झोंक रखे हैं। मोदी और शाह के अलावा भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री लगातार दौर कर रहे हैं। मप्र के सीएम मोहन यादव ने कई सभा की हैं तो उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी आक्रामक प्रचार चल रखा है। उन्होंने फरीदाबाद सीट पर ने कहा- जम्मू-कश्मीर से 370 हटने के बाद अब मौलवी भी राम-राम कहते हैं। वहीं अटेली में योगी ने कहा- केंद्र में सरकार बनने के बाद ही राम मंदिर बनना संभव हुआ। अब आप अयोध्या के अंदर भी एक विशाल मंदिर जल्द ही देखेंगे। राम मंदिर बनने के बाद अब कृष्ण मंदिर की बारी है। योगी ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस राज के वक्त भू-माफिया सक्रिय थे, भाजपा ने विकास के नए आयाम तय किए।

रामरहीम ने मांगी पेरोल, सियासी निहितार्थ !

हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान मतदान से एक सप्ताह पहले अब राम रहीम सुनारिया जेल से बाहर आना चाहता है। इसके लिए जेल विभाग से 20 दिन की आपात पैरोल मांगी है। चुनाव आचार संहिता के चलते जेल विभाग ने चुनाव आयोग से अनुमति मांगी है। आयोग ने सरकार को कहा है कि चुनाव के समय पैरोल कितने उचित रहेगी। कल राम रहीम की पैरोल पर निर्णय हो सकता है। रोहतक की सुनारिया जेल में दुष्कर्म व हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे डेरा प्रमुख राम रहीम को सातवीं बार 13 अगस्त को 21 दिनों की फरलो मिली थी। 5 सितंबर को पैरोल के बाद सुनारिया जेल लौट आया था।

प्रियंका के हेलिकॉप्टर की लैंडिंग बाधित, प्रशासन पर आरोप

कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन पर आरोप लगाया कि उसने प्रियंका गांधी के हेलीकॉप्टर को कठुआ जिले के बिलावर निर्वाचन क्षेत्र में लैंड करने में मदद नहीं की और उनके प्रचार को बाधित करने की कोशिश की। प्रियंका को जम्मू क्षेत्र के बिलावर और बिश्नाह निर्वाचन क्षेत्रों में रैलियों को संबोधित करना था, लेकिन उनका हेलीकॉप्टर लैंड नहीं कर सका और वे सभा न कर सकीं। उधर, विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी चंब और रामगढ़ निर्वाचन क्षेत्रों में रैलियों को संबोधित करने के लिए निर्धारित थे, लेकिन कल उनके हेलीकॉप्टर में तकनीकी समस्या आ गई।

इजरायल बोला-हम कहीं भी पहुंच सकते हैं, तबाही

8 विमानों व बंकर बर्स्टर बमों से मारा नसरल्लाह को

बेरूत/ तेलअवीव, दोपहर मेट्रो।

हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत के बाद भी इजरायल ने लेबनान पर जबर्दस्त हमले जारी रखे हैं। लेबनान में लोग सड़कों पर रह रहे हैं और बस्तियां बमों से थरथरा रही हैं। लोगों में यह भी शिकायत है कि इस बीच सेना व सरकार की भूमिका नजर नहीं आ रही। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने 33 लोगों की मौत की पुष्टि की है जबकि 195 घायल हुए हैं। हमले के बाद अपने पहले स्टेटमेंट में इजराइली पीएम नेतन्याहू ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि इजराइल कहीं भी पहुंच सकता है। वहीं ईरान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई है। दूसरी तरफ, न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि नसरल्लाह को मारने के लिए 27 सितंबर को इजराइल ने 8 लड़ाकू विमान भेजे थे। इनके जरिए हिजबुल्लाह के हेडक्वार्टर पर 2 हजार पाउंड के 15 बम गिराए गए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, ये अमेरिका में बने बम थे, जिन्हें बंकर बस्टर भी कहा जाता है। ये लोकेशन पर अंडरग्राउंड तक घुसकर विस्फोट करने में सक्षम होते हैं। उधर हिजबुल्लाह ने इजराइल के खिलाफ लड़ाई जारी रखने की बात कही है। इजराइली मिलिट्री ने बताया कि बीती रात लेबनान से यरुशलम और वेस्ट बैंक के क्षेत्रों में हवाई हमले किए गए। इस दौरान वेस्ट बैंक के कुछ इलाकों में आग लग गई। हालांकि, इजराइल ने ज्यादातर रॉकेट मार गिराए हैं।

पीएम की मन की बात

नकारात्मक बातों को तवज्जो देने की धारणा बदली: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सुबह रेडियो कार्यक्रम मन की बात में कहा कि आज इस कार्यक्रम को 10 साल पूरे हो चुके हैं। उस दिन विजयादशमी का दिन था जब यह शुरु हुआ था। मोदी ने कहा कि श्रोता ही इस कार्यक्रम के असली सूत्रधार हैं। जब तक चटपटी और नकारात्मक बात न हो तब तक तवज्जो नहीं मिलती है। मगर मन की बात कार्यक्रम ने साबित किया है कि देश के लोगों में सकारात्मक जानकारी की कितनी भूख है। मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण आकाशवाणी, दूरदर्शन, ऑल इंडिया रेडियो की वेबसाइट और मोबाइल एप पर होगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूट्यूब चैनल पर भी लोग कार्यक्रम सुन सकते हैं। यह कार्यक्रम पहली बार 3 अक्टूबर 2014 को शुरू किया गया था। मन की बात कार्यक्रम की शुरूआत तीन अक्तूबर 2014 को हुआ था। यह कार्यक्रम 11 विदेशी और 22 भारतीय भाषाओं में प्रसारित किया जाता है। इसके अलावा 29 बोलियों में भी प्रसारण किया जाता है।

केरल में तीस साल से जीवित शहीद का निधन

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी।

केरल में तीन दशक पहल पूरे राज्य को हिलाकर रख देने वाली घटना थुपरम्बा फायरिंग में प्रमुख वामपंथी कार्यकर्ता पुथुकुडी पुष्पन की बीती रात मौत हो गई। वे इस घटना में गोली लगने के बाद जिंदा तो बच गए थे लेकिन इन 30 साल वह बेड पर ही रहे। गंभीर घायल पुष्पन (54) को इस घटना का जीवित शहीद माना जाता था। गोलीबारी में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के युवा संगठन डीवाईएफआई के पांच कार्यकर्ता मारे गए थे।

आज का कार्टून

उज्जैन में रामघाट डूबा, अब भारी वर्षा का दौर थमेगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मानसून ट्रफ, लो प्रेशर एरिया और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की एक्टिविटी कमजोर पड रही है और आसार हैं कि अब तेज बारिश का दौर मप्र में थमेगा। हालांकि आज भोपाल, इंदौर समेत पूरे प्रदेश में बारिश के आसार हैं हालांकि बहुत भारी बारिश जैसी स्थिति नहीं रहेगी। उज्जैन में सुबह से बारिश हो रही है। रामघाट के प्लेटफॉर्म तक शिप्रा नदी का पानी पहुंच गया है। शिवपुरी में मड़ीखेड़ा के अटल सागर डैम के दो गेट खोलने पडे। नदी के किनारे बसे गांवों में अलर्ट जारी किया गया है। मप्र में अब तक 43.6 इंच बारिश हो चुकी है। यह सामान्य से 17त्न ज्यादा है। मंडला ऐसा जिला है, जहां सबसे ज्यादा 60.5 इंच पानी गिर चुका है। सिवनी प्रदेश में दूसरे नंबर पर है। यहां 56 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है।

मैहर बस हादसे में 10 मौतें आर्थिक सहायता का ऐलान

सतना, दोपहर मेट्रो।

मैहर में बीती देर रात बड़ा सड़क हादसा दस लोगं की मौत का कारण बन गया है। इसमें यात्री बस सड़क किनारे खड़े हाइवा से टकरा गई। हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत की खबर है। जबकि 17 घायल हैं। इनमें से 6 की हालात गंभीर है। आभा ट्रैवल्स की यह बस रीवा से जबलपुर की ओर जा रही थी। सीएम मोहन यादव ने हादसे पर दुख जताया और बाबा महाकाल से घायलों के जल्द स्वास्थ्य की प्रार्थना की। उन्होंने मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता राशि देने की बात भी कही है।

सीएम बोले- अपने दिल की देखभाल ठीक से करें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि विश्व हृदय दिवस, अनुशासित जीवन शैली- पोषक आहार एवं योग के माध्यम से हृदय को स्वस्थ रखने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने विश्व हृदय दिवस पर सोशल मीडिया से संदेश में प्रदेशवासियों से धूम्रपान सहित अन्य उन तत्वों के व्यसन से बचने का आवहान किया जो प्रति वर्ष दुनिया में लाखों लोगों की मौत के कारण बनते हैं। यादव ने प्रदेशवासियों से हृदय सुरक्षित रखने के प्रयासों को स्वयं आत्मसात करते हुए दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की है।

मेट्रो एंकर | संसद की नई स्थाई समितियों में सदस्यों का दिलचस्प संयोजन

संसद में शत्रु और समितियों में साथ !

नई दिल्ली , एजेंसी।

संसद की 24 स्थायी समितियों के गठन में संयोगवश कई ऐसे सांसद अब अगलबगल में बैठगें जो संसद में आमने सामने रहे हैं। समितियों में पार्टी लाइन से परे कई प्रमुख नेताओं को महत्वपूर्ण भूमिकाएं सौंपी गई हैं। इनमें से एक संचार और सूचना प्रौद्योगिकी पर गठित संसद की स्थायी समिति भी खास है।

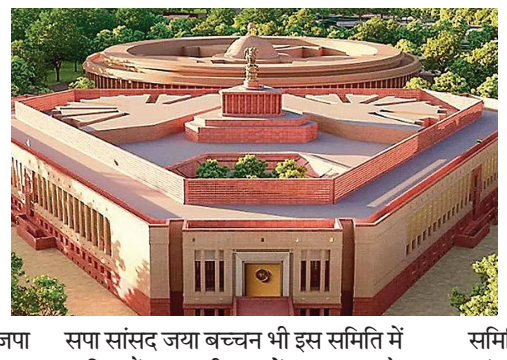

लिहाजा समिति सदस्यों पर गौर करना बहुत दिलचस्प है। झारखंड के गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को आईटी स्थायी समिति का अध्यक्ष बनाया है तो बंगाल के कृष्णानगर सीट से तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा को इस समिति में सदस्य बनाया है। दुबे और मोइत्रा के बीच की अदावत किसी से छिपी नहीं है। बेबाक बयानों के कारण चर्चा में रहने वाली भाजपा सांसद कंगना रनौत व सपा सांसद जया बच्चन भी इस समिति में शामिल हैं। जया की हाल में उच्च सदन के सभापति जगदीप धनखड़ और सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों के साथ नोकझोंक काफी चर्चा में रही है। इसी तरह प्रसिद्ध संगीतकार और राज्यसभा सांसद इलैयाराजा भी इस पैनल में हैं।

संसद की 24 डिपार्टमेंटल पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी के गठन में में कांग्रेस के दिग्विजय सिंह, भाजपा के वीडी शर्मा, विवेक तन्खा, फग्गन सिंह कुलस्ते सहित एमपी के 29 सांसदों को जगह मिली है। खास बात यह है कि मप्र से डिपार्टमेंटल पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटियों में शामिल किए गए 29 सांसदों में सिर्फ दिग्विजय सिंह को ही एक कमेटी में अध्यक्ष बनाया है। भाजपा राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीक दो समितियों में सदस्य बनाई गई हैं। राज्यसभा सांसद दिग्विजय को शिक्षा, महिला, बच्चे, युवा और खेल संबंधी कमेटी का अध्यक्ष बनाया है। इस कमेटी में कुल 31 लोग हैं, जिसमें राज्य सभा से 10 और लोकसभा से 21 लोगों को जगह मिली है। इस समिति में होशंगाबाद लोकसभा सीट से सांसद दर्शन सिंह चौधरी बतौर सदस्य शामिल हैं।

पानी में गलकर खराब हुई सोयाबीन की फसल

भोपाल, दोपहर मेट्रो। पानी में गलकर खराब हुई सोयाबीन की फसल को लेकर भोपाल के करीब ग्राम लसूडिया धाकड़ के किसानों ने खेत में किसान व समाज सेवी एमएस मेवाड़ा के नेतृत्व में प्रदर्शन कर मुआवजे की मांग की। किसानों ने गिरते हुए पानी में खेतों में खड़े होकर पानी में खराब हुई सोयाबीन की फसल हाथों लेकर एवं घण्टी बजाकर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया। इसका नेतृत्व एमएस मेवाड़ा ने किया। किसानों का कहना है कि सरकार द्वारा ना तो हमारे सोयाबीन का भाव 6000 प्रति क्वींटल किया जा रहा है और दूसरी ओर सोयाबीन की फसल पर प्राकृतिक आपदा आन पड़ी है। जिसके कारण कटी हुई खेतों में खेतों में पड़ी सोयाबीन की फसल पानी में बह रही हैं एवं खराब हो रही है।

सीवेज समस्या से परेशान लोगों ने घेरा नगर निगम अफसर को

पार्षद को लेकर भी गुस्सा, सफाई का काम अधूरा छोड़ा नगर निगम अमले ने

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर में वार्ड चार के बीड्डपुराना वर्षा स्वीट के पीछे वाले रहवासी सीवेज समस्या को लेकर सड़कों पर उतरे। आए दिन घरों में सीवेज जाम के कारण गंदा पानी पहुंचने से परेशान होकर और नगर निगम सुनवाई न होने पर अपनी नाराजगी का इजहार किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बीते छह साल से अधिक समय हो गया है। यहां की खस्ता हॉल सड़म और सीवेज सिस्टम की बदहाली से जूझ रहे हैं। पार्षद एवं नगर निगम अफसरों के सामने समस्या उठाई, लेकिन कोई हल नहीं निकला। सीवेज चौक होने पर ठीक कराने के लिए बड़ी मुश्किल में कर्मचारी या सफाई कर्मी आते है तो वह पैसा भी लेते हैं।

बिना सोचे समझे तोड़ी रोड

लोगों का कहना था चार दिन पहले जब पार्षद राजेश हिंगोरानी के साथ अधिकारी आए तो बताया था कि 35 साल पुरानी सीवेज लाइन के साथ रोड नेगा। आननड्डफानन में उद्घाटन हुआ। बिना सोचे-समझे जेसीबी से रोड को तोड़ दिया गया है। सीवेज सिस्टम डैमेज होने से गंदगी से तीन दिन से रहना मुश्किल हो रहा है। विधायक रामेश्वर शर्मा से मामले में हस्तक्षेप कर समस्या के स्थायी समाधान की लोगों ने मांग की है।

अधूरा काम छोड़ा सफाई का

शनिवार को जब लोगों को पता चला कि सीवेज लाइन नहीं बदली जाएगी, केवल अमृत योजना में साफ-सफाई की जा रही है। तो गुस्साए लोगों ने इंजीनियर त्रिवेदी और पार्षद राजेश हिंगोरानी को लेकर नारेबाजी की। कहा जा रहा है लोगों के विरोध के चलते साफ-सफाई का काम भी अधूरा छोड़ दिया गया है।

वर्तमान में वैश्विक स्तर पर हिंदी के लिए अपार संभावनाएं: संतोष चौबे

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी पखवाड़ा के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर और माँ शारदा की मूर्ति पर माल्यार्पण कर समारोह का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कवि, कथाकार, विश्व रंग के निदेशक एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे ने कहा कि हिंदी में काम करना और हिंदी के लिए वैश्विक स्तर पर निरंतर काम करते रहना हमारा दायित्व बनता है। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर हिंदी के लिए अपार संभावनाएं हैं। विश्व रंग और टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में शीघ्र ही हम अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलम्पियाड का आयोजन करेंगे। इसमें विश्व के विभिन्न देशों से दस लाख युवाओं और हिंदी प्रेमियों को जोड़ेंगे। हिंदी पखवा? का आयोजन भी वैश्विक स्तर पर किया जाएगा। आपने आगे कहा कि हिंदी में रोजगार के भी द्वार वैश्विक स्तर पर खुले हैं।

शहर में दर्जनभर ब्लैक स्पॉट

3 साल में 117 सड़क दुर्घटनाएं, 23 लोगों ने गंवाई अपनी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर में मौजूदा समय में 14 ब्लैक स्पॉट हैं, जहां सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं हो रही हैं। इसके बाद भी इन ब्लैक स्पाटों पर दुर्घटनाएं रोकने के लिए अब तक कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए। ऐसे में इन जगहों पर होने वाले सड़क हादसों में आए दिन लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। तो कुछ को दुर्घटना के कारण जिंदगी भर का दर्द मिल रहा है। ट्रैफिक पुलिस की माने तो इन 14 ब्लैक स्पाट पर वर्ष 2021 से अब तक तक 117 से अधिक दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। इन सड़क हादसों में 23 लोगों से अधिक जान गंवा चुके हैं।

नर्मदापुरम रोड पर एक साल में 12 जानें गई

नर्मदापुरम रोड मुख्य सड़क होने के कारण इस सड़क पर रात दिन वाहनों की आवाजाही लगी रहती है। ऐसे में तेज रफ्तार वाहन दुर्घटनाओं की वजह बन रहे हैं। आरआरएल से मिसरोद तक एक साल में करीब 12 लोग सड़क दुर्घटना में अपनी जान गंवा चुके हैं। इसके बाद भी इन हादसों को रोकने के लिए कोई ठोस पहल नहीं की गई।

नर्मदापुरम रोड पर ये बड़े हादसे: 28 जुलाई की रात बाइक सवार चार लोगों को बस ने पीछे से टक्कर मार दी थी, जिसमें चारों की मौत हो गई।

25 जुलाई 2021 को चिनार: फार्च्यून के सामने मारबल से भरे ट्रक में तेज रफ्तार कार सवार युवकों ने पीछे से टक्कर मार दी थी। हादसे में चार युवकों की मौत हो गई थी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार को कटर से काटकर युवकों के शव को बाहर निकाला गया था।

वाहनों की रफ्तार और कट प्वाइंट बड़ी वजह

इस मार्ग पर दो कारण सबसे ज्यादा जानलेवा साबित हो रहे हैं। इसमें पहला इस मार्ग पर वाहनों की रफ्तार अधिक रहती है। दूसरा इस मार्ग पर पड़ने वाले कट प्वाइंट बेहद खतरनाक हैं। रात के समय यह और अधिक खतरनाक हो जाते हैं। सड़क पार करने या फिर अपने वाहनों को मोड़ने के फेर में ज्यादातर दुर्घटनाएं होती हैं।

यहां सुधार की जरूरत

सावरकर सेतु: आरओबी से रफ्तार से नीचे उतरने वाले वाहनों का टकराव, सर्विस रोड से आने वाले वाहनों से होता है।
बीयू टर्निंग: नर्मदापुरम रोड पर आवागमन करने वाले वाहनों के रफ्तार पकड़ते ही बीयू टर्निंग पाइंट से वाहनों की घुसपैठ दुर्घटना की वजह बनती है।
बागसेवनिया थाना मोड़: यहां कोई चौराहा नहीं होने पर भी बागसेवनिया, थाने के पास और बावड़िया ब्रिज से आने वाले वाहन मुख्य सड़क पर पहुंचते हैं।

भोपाल। अपने पूर्वजों पितरों की आत्मा शांति मुक्ति के लिए आत्म ज्योति मिलन कार्यक्रम में पंडितों और पुरुष व महिलाओं ने गिनोरी घाट मंदिर पर पूजा पाठ कर दीपदान किया। - फोटो निर्मल व्यास

नवभारत साक्षरता अभियान में अक्षर पौथी का विमोचन

- रोटरी क्लब ने किया है अक्षर पौथी का प्रकाशन

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

रोटरी क्लब इस्ट भोपाल एवं रोटरी क्लब भोपाल केपिटल द्वारा नव भारत साक्षरता कार्यक्रम एवं अक्षर पोथी का विमोचन समारोह आयोजित किया गया। माँ आनंदमई आश्रम में भारत सरकार द्वारा नवभारत साक्षरता कार्यक्रम में रोटरी द्वारा मुद्रित अक्षर पोथी का विमाचेन विधायक रामेश्वर शर्मा किया। साथ ही रोटरी व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र का अवलोकन भी किया । रोटरी क्लब अध्यक्ष रोटरी मनोज झा व सचिव रोटरी श्रीकान्त फाटक ने अतिथि विधायक शर्मा का स्वागत किया। रोटरी अल्पना मिश्रा कॉर्डिनेटर ने स्वागत भाषण दिया। क्लब के रोटरी अरहम ख़ान, रोटरी रोहित पाण्डे, रोटरी के.जी बंसल ने रोटरी पी.डी.जी रवि लंगर, पी.डी.जी धीरेन दत्ता ,ए.जी. ताजवर ख़ान, राकेश दुबे, रेणु सिंह, सन्दीप गुप्ता का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। रोटरी क्लब भोपाल कैपिटल के अध्यक्ष जितेन्द्र नागले व सचिव निरापूरे एवं क्लब के अन्य सदस्यों ने इस कार्यक्रम में सहभागिता की। राज्य शिक्षा केंद्र के राकेश दुबे ने प्रौढ़ शिक्षा मिशन की जानकारी दी रवि लंगर रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 की भारत सरकार के साथ अपनी भागीदारी बताई। विधायक शर्मा ने रोटरी के कार्यों की प्रशंसा। अंत में दोनों रोटरी क्लबों के अध्यक्ष्यों द्वारा मुख्य अतिथि का शॉल, श्री फल व स्मृति चिन्ह से सम्मान किया।

चित्रकला प्रतियोगिता में संत कॉलेज की अनुश्री प्रथम रहीं

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की छात्रा अनुश्री नामदेव ने प्रतिष्ठित %तूर्यनाद फेस्ट% में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। प्रतियोगिता सितंबर के पहले सप्ताह में मैनिट, भोपाल द्वारा आयोजित की गई थी, जिसमें देशभर से प्रतियोगियों ने भाग लिया। अनुश्री नामदेव की विजयी पेंटिंग का विषय 'विकसित भारत' था, जिसमें उन्होंने एक प्रगतिशील और विकसित भारत की परिकल्पना को दर्शाया। उनकी रचनात्मक अभिव्यक्ति और इस प्रेरणादायक विषय की कुशल प्रस्तुति को निर्णायकों द्वारा सराहा है। संत कॉलेज की प्राचार्या, डॉ. डालिमा पारवानी ने अनुश्री को उनकी इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है।

भारत भवन में सिन्धी नाट्य समारोह शुरू

भोपाल. भारत भवन में बीती शाम अखिल भारतीय सिन्धी नाट्य समारोह शुरू हुआ । निर्देशक अशोक बुलानी, मनोहर अगनानी,शिल्पी अगनानी,समाजसेवी चंदर लालचंदानी,लेखक मोहन गेहानी और फिल्म एवं टीवी आर्टिस्ट रूप गेहानी ने दीप जलाकर समारोह का शुभारंभ किया। दो दिवसीय सिंधी नाट्य समारोह में भोपाल के सिंधी रंग समूह और सिंधु दर्पण संस्थाओं के सिंधी नाटकों सहित जयपुर,मुंबई,इंदौर,नागपुर के नाटक दल आए हैं। फेस्टिवल में छह हास्य व्यंग्य प्रधान नाटक मंचित हो रहे हैं। ड्रामा फेस्टिवल में तीन राज्यों मप्र ,महाराष्ट्र,राजस्थान के प्रतिभागी निर्देशकों नंदिनी पंजवानी,अशोक बुलानी,जय पंजवानी,कविता इसरानी, जूली तेजवानी का सम्मान अगनानी दंपति ने शाल ओढ़ाकर किया। सिन्धी साहित्य अकादमी और भारत भवन के सहयोग से यह समारोह लेखक स्व सुंदर अगनानी की स्मृति में हो रहा है। संयोजन सिंधी रंग समूह संस्था ने किया है। नाटक निर्देशकों का परिचय लेखक अशोक मनवानी ने दिया। समारोह में आज स्व सुंदर अगनानी रंगमंच सम्मान-2024 से चयनित ड्रामा डायरेक्टर जूली तेजवानी,मुंबई को सम्मानित किया जाएगा। **वहीं** कार्यालय प्रधान महाप्रबंधक व्यवसाय क्षेत्र भोपाल ने राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा हिन्दी के उत्तरोत्तर विकास के लिए किये जा रहे अपने प्रयासों की श्रृंखला में शनिवार की शाम अपने कार्यालय परिसर में हिंदी पखवाड़ा पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह संग एक काव्यगोष्ठी का आयोजन भी किया जिसमें भोपाल शहर एवं नर्मदपुरम के जाने पहचाने कवियों ने भाग लिया ।

मेट्रो एंकर संत निरंकारी चेरिटेबल फाउण्डेशन ने किया संतनगर शिविर आयोजित

रक्तदान के लिए लगीं कतारें, 485 यूनिट ब्लड डोनेट हुई

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आशीर्वाद से संत निरंकारी चेरीटेबल फाउण्डेशन ने शनिवार को रक्तदान शिविर मुख्य मार्ग स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन संत हिरदाराम नगर में शासकीय हमीदिया ब्लड बैंक के सहयोग से सम्पन्न हुआ। इस रक्तदान शिविर में 485 रक्तदाताओं ने रक्तदान करके पीड़ति मानवता की सेवा की है। आज सुबह से ही रक्तदाताओं की लम्बी-लम्बी कतारें लगी हुई थी । जहां एक छोटी सी सुई भी चुभने से दर्द होता है वहीं यह पीड़ति मानवता की सेवा करने वाले हस हस कर अपना हाथ आगे कर रहे थे, कि पहले मेरा रक्त लो क्योंकि वो जानते है कि यह रक्त निश्चित रुप से किसी की जान बचाएगा और जो रक्त दान करता है निश्चित रुप से उनकी पीढ़ियां सुखों की भागीदार बनती है। मिशन के भक्तों के लिए रक्तदान पहले से ही जनकल्याण की सेवा भाव में एक अभिन्न अंग रहा है। युगदृष्टा बाबा हरदेव सिंह जी महाराज के कथन अनुसार रक्त नालियों में नहीं नाड़ियों में बहे। इस संदेश को मिशन के अनुयाइयों ने निश्चित रुप से चरितार्थ किया है, जिसे वर्तमान में माता सुदीक्षा जी महाराज के निर्देशानुसार निरंतर आगे बढाया जा रहा हैं। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, शहर के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी, पत्रकार बंधु एवं रक्तदाता आदि विशेष रुप से उपस्थित थे। रक्तदान शिविर की व्यवस्था संचालक अशोक नाथानी, संचालिका निशा टेकवानी, शिक्षक विजय कृपलानी, शिक्षिका सुषमा ग्वालानी, सहायक शिक्षक विजय नाथानी सहित सेवा दल के भाई - बहनों द्वारा की गई । शिविर में कांग्रेस नेता नरेश ज्ञानचंदानी पहुंचे। ज्ञानचंदानी ने मिशन की सेवा भाव की प्रशंसा की। बजरंग सेना समिति के पदाधिकारियों ने शिविर में रक्तदान किया। सलाहाकार रुप कुमार सोनी, अध्यक्ष कमलेश देवानी, उपाध्यक्ष राज बिजोरिया, सलाहाकार प्रभु मूलचंदानी, महासचिव गुरदास रामचंदानी, सचिव राजकुमार धानुक ने रक्तदान शिविर में हिस्सा लिया।

साधारण सभा में निर्विरोध निर्वाचन, अध्यक्ष के लिए रखे गए सुझाव

लगातार चौथी बार थोक कपड़ा संघ के अध्यक्ष बने कन्नू और दिनेश महासचिव

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

कपड़ा व्यापारियों की सबसे बड़ी संस्था थोक वस्त्र व्यवसाय संघ की कमान एक बार फिर तीन बार अध्यक्ष रहे कन्हैयालाल इसरानी को सौंपी गई है। संघ की साधारण सभा की बैठक में शनिवार को सर्वसम्मति से इसरानी को अध्यक्ष और दिनेश वाधवानी को महासचिव चुना गया। इसरानी ने फिर से उन पर विश्वास जताने पर व्यापारियों का आभार जताया है और चौथे कार्यकाल में संघ की नई धर्मशाला के निर्माण का वादा किया है। सितंबर माह में खत्म हो रहे थोक वस्त्र व्यवसाय संघ की मौजूदा कार्यसमिति के कार्यकाल से पहले अगले दो साल के लिए संघ का अध्यक्ष चुने जाने के लिए साधारण सभा की बैठक हुई। नए अध्यक्ष के नाम को लेकर व्यापारियों ने अपने विचार रखे। इसरानी के तीन कार्यकाल को संतोषजनक बताते हुए एक बार फिर अध्यक्ष बनाने का सुझाव आया। बिना किसी विरोध के कन्हैयालाल इसरानी (कन्नू) को अध्यक्ष चुनाने का फैसला लिया गया। बता दे तीसरे कार्यकाल के अंतिम दिनों में नई धर्मशाला के लिए भूमिपूजन हुआ है। धर्मशाला के लिए सभी तरह की अनुमतियां इसरानी ने ली है। इससे लिए पहले से माना जा रहा था, इसरानी फिर से अध्यक्ष चुने जाएंगे। साधारण सभा से पहले आष्टा में कार्यसमिति की बैठक और महाकाल के दर्शन के बाद से ही सभा में हुए फैसले के लिए व्यापारियों का मानस बना लिया गया था। वरिष्ठ और युवा व्यापारी धर्मशाला के निर्माण के लिए एक मौका देने की बात कह रहे थे। फिर अध्यक्ष बनने पर इसरानी ने कहा, व्यापारियों के हितों का संरक्षण पहले की तरह करते रहेंगे। व्यापारियों की समस्याओं के लिए हर स्तर पर लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ेंगे। नई टीम पहले की तरह से मजबूत होगी। उन्होंने फिर अध्यक्ष बनाए जाने पर व्यापारियों का आभार जताया है।

मप्र कर्मचारी चयन मंडल : प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा-2024 का कार्यक्रम जारी, 1 अक्टूबर से होंगे आवेदन

2020 में पात्रता परीक्षा पास करने वाले उम्मीदवारों को दोबारा परीक्षा देने की आवश्यकता नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सरकारी स्कूल में प्राथमिक शिक्षक बनने के लिए तैयारी कर रहे उम्मीदवारों के लिए काम की खबर है। मप्र कर्मचारी चयन मंडल (ईसबी) ने प्राथमिक शिक्षक (वर्ग-तीन)पात्रता परीक्षा-2024 का कार्यक्रम जारी कर दिया है। हालांकि प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा-2024 में वे अभ्यर्थी शामिल नहीं होंगे, जिन्होंने 2020 में पात्रता परीक्षा पास कर ली है। उन्हें दोबारा 2024 की पात्रता परीक्षा देने की आवश्यकता नहीं है। ईएसबी ने स्पष्ट किया है कि पात्रता परीक्षा की वैधता आजीवन रहेगी। ईएसबी की ओर से स्कूल शिक्षा और जनजातीय कार्य विभाग के लिए संयुक्त रूप से प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित की जा रही है। नियमावली भी वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। पात्रता परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन एक से 15 अक्टूबर तक भरे जाएंगे। आवेदन पत्र में संशोधन 20 अक्टूबर तक कर सकेंगे। प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा 10 नवंबर से शुरू होगी। दो पालियों में परीक्षा आयोजित होगी। पहली पाली सुबह नौ से 11.30 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2.30 बजे से शाम पांच बजे तक परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस बार प्राथमिक शिक्षक के लिए 21 वर्ष आयु सीमा तय की गई है।दिशा-निर्देश में लिखा है कि चयन परीक्षा के विज्ञापन वर्ष की एक जनवरी को अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 21 वर्ष होनी चाहिए और अधिकतम आयु सामान्य प्रशासन विभाग के नियमों के अनुसार मान्य होगी। यह पात्रता परीक्षा भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, इंदौर सहित बालाघाट, खंडवा, नीमच, रतलाम, रीवा, सागर, सीधी, सतना और उज्जैन शहर के परीक्षा केंद्रों पर आयोजित कराई जाएगी।

अप्रैल से 64 फीसदी महंगाई भत्ता, पेंशनर्स को भी राहत

कर्मचारियों के लिए बजट में प्रावधान की कवायद शुरू

मप्र के करीब सात लाख से अधिक कर्मचारियों को अगले बजट में 64 प्रतिशत तक महंगाई भत्ता मिलने वाला है। पेंशनरों के लिए भी इसी हिसाब से महंगाई राहत का प्रावधान किया जाएगा। वार्षिक वेतन वृद्धि तीन प्रतिशत की दर से होगी तो संविदा कर्मचारियों के पारिश्रमिक में चार प्रतिशत की वृद्धि के हिसाब से राशि रखी जाएगी। वित्त महकमे ने सभी विभागों से कहा है कि वेतन-भत्ते मद के लिए कर्मचारियों की संख्या और आगामी समय में होने वाली भर्ती के अनुसार आकलन कर प्रस्ताव प्रस्तुत करें।सभी विभागों में वेतन-भत्ते के लिए बजट में कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और पेंशनरों की महंगाई राहत के लिए 56 प्रतिशत के हिसाब से प्रावधान रखा गया है। उल्लेखनीय है कि राज्य में अभी 46 प्रतिशत की दर से ही महंगाई भत्ता दिया जा रहा है। जबकि, भारत सरकार इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर चुकी है। प्रदेश में अखिल भारतीय सेवा के

अधिकारियों को 50 प्रतिशत की दर से ही महंगाई भत्ता दिया जा रहा है। कर्मचारी भी चार प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि दीपावली के आसपास मुख्यमंत्री मोहन यादव इसकी घोषणा कर सकते हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए सरकार ने 64 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ते के लिए राशि रखने के निर्देश दिए हैं। इसके अनुसार वृद्धि होती है तो आगामी वित्तीय वर्ष में कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 18 प्रतिशत बढ़ जाएगा। इसके साथ ही वार्षिक वेतन वृद्धि और संविदा कर्मचारियों के पारिश्रमिक में वृद्धि के लिए वर्तमान वित्तीय वर्ष की तरह की प्रावधान रखा जाएगा। बताया जाता है कि सभी विभागों से ऐसी सभी योजनाओं का आकलन भी कराया जा रहा है, जिनकी अब उपयोगिता नहीं है। इन्हें समाप्त करने या अन्य योजनाओं में समाहित किया जाएगा। इसके लिए सभी विभागों से एक-एक योजना का पिछले वर्षों की उपलब्धि के आधार पर आकलन करने कहा गया है।

दो बार अपनी योग्यता साबित करनी होगी

प्राथमिक शिक्षक भर्ती-2024 में ऐसा पहली बार होगा जब अभ्यर्थियों को पहले पात्रता और फिर चयन परीक्षा देनी होगी। पात्रता परीक्षा के बाद चयन परीक्षा देनी होगी। इस बार प्राथमिक शिक्षक के लिए बीएड डिग्री धारी अभ्यर्थी पात्र नहीं होंगे, बल्कि डीएलएड वाले पात्र होंगे। इससे पहले दो परीक्षा का नियम उच्च माध्यमिक शिक्षक-2023 की भर्ती में ही लागू की गई है।

त्यौहारों में शांति कायम रहे, खाद-बीज की कालाबाजारी करने वालों से सख्ती से निपटें- मुख्यमंत्री यादव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

त्यौहार हो या रबी की बुआई का सीजन, दोनों पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस समय बार-बार ध्यान दे रहे हैं। बीते आठ दिनों में वे दोनों विषयों पर दो दो समीक्षा बैठकें ले चुके हैं। इसके पहले सीएस वीरा राणा ने कलेक्टर व संभाग प्रमुखों से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए बात की थी और सरकार की प्राथमिकताएं बताई थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को दूसरी बार दोनों विषयों को लेकर ली समीक्षा बैठक में कलेक्टरों व पुलिस के अधिकारियों से दो टूक कहा कि कानून व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। पुलिस प्रशासन सतर्क रहे और जहां जरुरी हो, वहां कार्रवाही करे। यह भी कहा कि त्यौहारों में शांति बनी रही। यह भी कहा कि वर्षा के कारण प्रभावित सड़कों की तत्काल मरम्मत कराएं, सड़कों पर घूमते मवेशी को नियंत्रित करने, ओवरलोडिंग के मामलों को खत्म करने पर कार्रवाही तेज हो, छात्रावास, आश्रम शालाओं, स्कूल, कॉलेजों में लगातार निरीक्षण करें।

मुख्यमंत्री ने खाद, बीज और सोयाबीन खरीदी की समीक्षा करते हुए कहा कि खाद-बीज की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ ठोस कार्रवाही करें। किसानों के लिए खाद-बीज का इंतजाम करने में ढिलाई बरतने और लापरवाही बरतने वाले अधिकारी सुधर जाएं। उन्होंने मिलावट, मिस ब्रांडिंग और नकली उर्वरक खपाने व उर्वरक का अवैध परिवहन रोकने, प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने, डीएपी के स्थान पर एनपीके, लिक्विड नैनो यूरिया के प्रयोग को ब?ावा देने, राजस्व अमला जनप्रतिनिधियों के साथ फसलों की क्षति आंकलन करने, खाद भंडारण के लिए डबल लॉक की आवश्यकता होने पर कृषि उत्पादन आयुक्त से समन्वय कर कार्रवाही करने, सभी जिला कलेक्टर बेहतर तैयारी कर वितरण खाद, बीज का वितरण करने के निर्देश दिए। बैठक में

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने मालवा क्षेत्र में खाद के 3 रैक मांगे थे। जिस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को खाद का इंतजाम करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने खाद के व्यवस्थित वितरण के लिए अधिकारियों को डबल लॉक केन्द्रों पर अतिरिक्त बिक्री काउंटर खोलने को कहा है।

अब इक्कीसवीं पशु संगणना का ऑनलाइन होगा डाटा कलेक्शन

मप्र के 55 जिलों के एक करोड़ 80 लाख परिवारों में घर-घर जाकर की जाएगी संगणना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अगले माह मध्य प्रदेश सहित पूरे भारत में 21वीं पशु संगणना प्रारंभ होने वाली है। पशु संगणना में इस बार डाटा कलेक्शन का पूरा कार्य ऑनलाइन किया जाएगा। 21वीं पशु संगणना मप्र के 55 जिलों के एक करोड़ 80 लाख परिवारों में घर-घर जाकर की जानी है। पशु संगणना में इस बार जब संगणक पशुओं की गणना करेंगे तब वे प्राप्त आंकड़ों को सीधे अपने टैब के माध्यम से पशु गणना सॉफ्टवेयर में भरेंगे। इस बार संगणना में पशुओं की नस्लों का भी विवरण दिया जाएगा। इसके लिए जब वे पशुओं का फोटो स्कैन करेंगे तब सॉफ्टवेयर के माध्यम से पशुओं की नस्ल की जानकारी मिल जाएगी। यह जानकारी गुरुवार को प्रदेश में 21 वीं पशु संगणना 2024 की तैयारियों के संबंध में संचालनालय, पशु चिकित्सा एवं डेयरी के सभागार में

आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में दी गई। कार्यशाला में भारत सरकार की मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी विभाग की सचिव अलका उपाध्याय द्वारा पशु संगणना 2024 की तैयारियों के संबंध में ऑनलाइन संदेश दिया गया। कार्यशाला का शुभारंभ संचालक पशुपालन एवं डेयरी पी. एस. पटेल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यशाला में पूरे प्रदेश के पशु चिकित्सा अधिकारी एवं अन्य संबंधित उपस्थित थे।

5264 इकाई ग्राम एवं 728 शहरी वार्ड निर्धारित

पूरे प्रदेश में पशु गणना के लिए 5264 इकाई ग्राम एवं 728 शहरी वार्ड निर्धारित किए गए हैं।पशु संगणना के लिए ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्येक 3000 परिवार एक संगणक और शहरी क्षेत्र में प्रत्येक 4000 परिवार एक संगणक नियुक्त किए गए हैं। उनके ऊपर सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं। कुल 5558 संगणक नियुक्त किए गए हैं, जिनमें ग्रामीण क्षेत्रों में 4141 और शहरी क्षेत्र में 1417 संगणक बनाए गए हैं। कुल 970 सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं, जिनमें ग्रामीण क्षेत्रों में 828 एवं शहरी क्षेत्र में 142 हैं।

22.10 लाख स्कूली बच्चों तक पहुंची निःशुल्क पुस्तकें

9वीं से 12 वीं तक छात्रों को फायदा, सौ करोड़ का बजट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में सरकारी स्कूलों में पड़ने वाले 22 लाख 10 हजार से अधिक विद्यार्थियों को पिछले वर्ष निशुल्क पाठ्य पुस्तकें वितरित की गई। स्कूल शिक्षा विभाग की निशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण योजना में हाई स्कूल एवं हायर सेकण्डरी स्कूलों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक अध्ययनरत् सभी विद्यार्थियों को निशुल्क पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराई जाती हैं। इस योजना में विभाग ने करीब 100 करोड़ रूपये का बजट में प्रावधान किया था। स्कूल शिक्षा विभाग में अकादमिक एवं प्रशासनिक कार्यों में क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग तथा परिणामों की समीक्षा के लिये विभिन्न स्तरों जानकारी की त्वरित उपलब्धता और उनके आधार पर सुधारात्मक कार्यवाही के लिये एजुकेशन पोर्टल को विकसित किया गया है। एजुकेशन पोर्टल पर करीब 4 लाख कर्मचारी एवं शिक्षकों की व्यक्तिगत प्रोफाइल एवं ई-सेवा पुस्तिका का संधारण, सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और शिक्षकों के ऑनलाइन वेतन देयक तैयार करने की व्यवस्था है। इसी के साथ करीब एक लाख स्कूलों की प्रोफाइल सहित जीआईएस फोटो का डाटा है।

ऑनलाइन शिकायत निवारण, मोबाइल गवर्नेंस प्लेटफार्म

ऑनलाइन शिकायत निवारण के लिये प्रबंधन प्रणाली की व्यवस्था भी है। इसी के साथ निर्माण कार्य मॉनिटरिंग प्रणाली, गणवेश वितरण प्रबंधन प्रणाली और पाठ्य पुस्तक ऑनलाईन ट्रैकिंग प्रणाली भी संचालित हैं। इंटरनेट युक्त स्मार्ट फोन की सहज उपलब्धता को देखते हुए एजुकेशन पोर्टल पर उपलब्ध सभी सुविधाओं और सेवाओं को चरणबद्ध रूप से एप के जरिये उपलब्ध कराने के लिये एनआईसी के सहयोग एम-शिक्षा मित्र एप को एम-गवर्नेंस प्लेटफार्म के रूप में विकसित किया गया है।

स्कॉलरशिप पोर्टल पर आवेदन, कल अंतिम दिन

भोपाल। भारत सरकार, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय श्रम कल्याण संगठन जबलपुर द्वारा बीढ़ी एवं खदान श्रमिकों के अध्ययनरत बच्चों के लिये वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनएसपी) पर प्री-मेट्रिक श्रेणी में शिक्षण के लिए आवेदन तिथि बढ़ा दी गई है। अब विद्यार्थी 30 सितम्बर 2024 तक आवेदन कर सकते है। वहीं पोस्ट मेट्रिक के लिये आवेदन करने की अंतिम 31 अक्टूबर निर्धारित है। शैक्षणिक सत्र वर्ष 2024-25 के लिये शिक्षा वित्तीय सहायता योजना में मध्यप्रदेश राज्य के बीढ़ी, चूना पत्थर, डोलोमाईट, लौ-मैंग्नीज-क्रोम अयस्क खदान श्रमिकों के मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों में कक्षा

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की सदस्य ने की योजनाओं की समीक्षा

भोपाल। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की सदस्य रिंचन लम्हों ने वीआईपी रेस्ट हाऊस भोपाल में अल्पसंख्यक समुदाय के धर्मगुरुओं के साथ बैठक में अल्पसंख्यक समुदाय के कल्याण के लिए शासन की योजनाओं एवं उनकी समस्याओं के निराकरण के संबंध में बैठक की। उपस्थित धर्म गुरुओं व समाज के सामाजिक प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

मेट्रो एंकर | **ड्रोन पर सवार, सरकार के नवाचार**

भोपाल में 250 पायलट ट्रेंड, इंदौर में स्कूल जल्द

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में युवाओं के लिए चल रहे मध्यप्रदेश सरकार के पहले ड्रोन स्कूल ने छह महीने में गति पकड़ ली है। कृषि क्षेत्र में ड्रोन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए डीजीसीए से निर्धारित ड्रोन पायलट का प्रशिक्षण जारी है। खास बात यह है कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और मप्र के तत्कालीन मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ड्रोन स्कूल भोपाल का शुभारंभ करना चाह रहे थे लेकिन उस वक्त किन्हीं हालात यह संभव न हो सका। वहीं मप्र सरकार को भोपाल के बाद जबलपुर में भी ड्रोन स्कूल खोलना था लेकिन बताया जाता है कि जबलपुर का एरिया रेड जोन में आने के कारण यह स्कूल नहीं खुल सका। अब यह इंदौर में जल्द प्रारंभ होने के आसार हैं। इंदौर में ड्रोन स्कूल प्रारंभ हो इसके पहले डीजीसीए की टीम फील्ड विजिट कर चुकी है। एमपी पोस्ट के मुताबिक यह रिमोट पायलट ट्रेनिंग आर्गेनाइजेशन भी मप्र कृषि अभियांत्रिकी संचालनालय द्वारा संचालित होगा। जो राज्य सरकार का दूसरा ड्रोन पायलट ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाने वाला ड्रोन स्कूल होगा। इस बारे में मुख्यमंत्री मोहन यादव का कहना है कि पीएम के ड्रोन अभियान से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार ने भोपाल स्थित बड़वई में स्किल डेवलपमेंट सेंटर में ड्रोन स्कूल शुरू किया है। इंदौर के लिए सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि ड्रोन स्कूल की स्थापना के लिए कृषि संचालनालय और इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय उड़ान एकेडमी अमेठी के साथ एक विधिवत एमओयू साइन किया गया है।

सात दिन का प्रशिक्षण

'कौशल विकास योजना' के अंतर्गत भोपाल में स्थापित ड्रोन स्कूल में 7 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है । इस आरपीटीओ में 5 ड्रोन हैं और एक बैच में 20 प्रतिभागियों को ड्रोन पायलट लाइसेंस के लिए ट्रेनिंग प्रदान की जा रही है।स्कूल की फीस 15 हजार रुपए है, जो कि न्यूनतम है, जबकि आम तौर पर ड्रोन पायलेट के प्रशिक्षण फीस औसतन 60 हजार रुपए से अधिक है। ज्ञात हो कि राष्ट्रीय उड़ान एकेडमी अमेठी एक सरकारी पंजीकृत प्रशिक्षण संस्थान है,जो प्रोफेशनल पायलटों और एयरोस्पेस इंजीनियरों को मानव रहित हवाई वाहन चलाने के लिए, ड्रोन उड़ाने की कला सीखने की ट्रेनिंग देता है।

42 किलो वजन की क्षमता

ड्रोन की कई खासियत होती है, वह 42 किलो तक का वजन उठा सकते हैं। खेतों के बड़े एरिया में बीज और कीटनाशक डालने और कृषि सर्वे में भी इनका उपयोग होता है। ड्रोन मेकिंग पढ़कर स्टूडेंट्स रिसर्च कर सकेंगे. सर्वे और जमीन नापने आदि में भी ड्रोन का उपयोग होगा। पुलिस भी निगरानी हेतु इसका इस्तेमाल करती है।

दोपहर मेट्रो

प्रवाह

रविवारीय

04 भोपाल, रविवार, 29 सितम्बर, 2024 epaper.dopaharmetro.com

कर्म ही पूजा है...क्या इस लाइन से हटने का समय आ गया?

एना सेबेस्टियन पेराइल की मौत ने कॉरपोरेट की दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। अभी उनकी पहली नौकरी को चार महीने ही हुए थे और माना जा रहा है कि जरूरत से ज्यादा काम के कारण उनकी मौत हुई है। पिछले एक वर्ष में 2 लाख भारतीयों की अधिक काम करने के कारण मौत हुई है...

■ चंद्रिमा बनर्जी

वह 26 वर्ष की थी। उसने हाल में चार्टर्ड अकाउंटेंट का कोर्स पूरा करके EY में अपनी पहली नौकरी हासिल की थी। अभी उन्हें नौकरी लगे चार महीने ही हुए थे कि एना सेबेस्टियन पेराइल की हार्ट अटैक से मौत हो गई। उनकी मां ने EY इंडिया के चेयरमैन को वर्क कल्चर के बारे में एक पत्र लिखा। उन्हें पक्का यकीन था कि इसी के कारण उनकी बेटी की मृत्यु हुई। उन्होंने कहा कि एना स्कूल और कॉलेज में अव्वल थी और उसने अपनी CA परीक्षा डिस्टिंक्शन के साथ पास की थी। उसने अथक परिश्रम किया और वह काम को ना कहना नहीं जानती थी। तो क्या हमें ना कहने की आदत होनी चाहिए? क्या हमें शायद थोड़ी कम मेहनत करनी चाहिए?

पिछले साल मैकिन्से की एक रिपोर्ट आई थी जो एक सर्वे पर आधारित थी। इस सर्वे में भारत में हिस्सा लेने वाले करीब 60 फीसदी लोगों का कहना था कि उनमें थकावट के लक्षण हैं। यह सर्वे 30 देशों में किया गया था और भारत में सबसे ज्यादा लोगों ने थकावट की बात कही थी। 2019 की एक रिपोर्ट में पाया गया कि मुंबई दुनिया का सबसे अधिक मेहनती शहर था। इस लिस्ट में दिल्ली चौथे नंबर पर था। दूसरे नंबर पर हनोई और तीसरे पर मैक्सिको सिटी था। साल 2018 के एक सर्वेक्षण में पाया गया था कि दुनिया में सबसे कम छुट्टी भारतीयों को ही मिलती है। 2021 में, विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने लंबे समय तक काम करने के प्रभाव पर एक अध्ययन प्रकाशित किया। इसमें कहा गया कि सप्ताह में 55 घंटे या उससे अधिक काम करना 35-40 घंटे काम करने की तुलना में समय से पहले मृत्यु के जोखिम से बहुत अधिक जुड़ा हुआ है और लंबे समय तक काम करने के कारण स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण मरने वाले लोगों की सबसे अधिक संख्या कहां थी? भारत। केवल जनसंख्या के आकार के आधार पर ऐसा नहीं था क्योंकि भारत के आंकड़े चीन की तुलना में बदतर हैं।

49 घंटे का सप्ताह

आएलओ डेटा से पता चलता है कि आधे से ज्यादा रोजगार प्राप्त भारतीय (51.4 फीसदी) प्रति सप्ताह 49 घंटे या उससे ज़्यादा काम करते हैं। यह भूटान (61.3 फीसदी) के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा है। भारत के वीकली एवरेज वर्किंग आवर्स (46.7 फीसदी) के मामले में भारत 170 देशों में 13वें नंबर पर हैं। यह कांगो और बांग्लादेश जैसे लो इनकम वाले देशों से भी पीछे है। इसमें केवल दो उच्च आय वाले देश संयुक्त अरब अमीरात और कतर अपवाद हैं। भारत की हाई प्रेशर वर्क कल्चर के सबसे नजदीक चीन है, जो टॉक्सिक '996' कार्य संस्कृति का घर है। वहां लोग औसतन 46 घंटे प्रति सप्ताह अपने काम में लगाते हैं। चीन की 996 कार्य संस्कृति का मतलब है सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक हफ्ते में छह दिन काम करना। चीन के टेक टाइकून जैक मा ने इसका महिमामंडन किया था।

क्या सभी एक ही नाव में सवार हैं?

भारत के इनफॉर्मेशन और कम्युनिकेशन सेक्टर का सबसे बुरा हाल है। आईएलओ के आंकड़ों से पता चलता है कि इस सेक्टर में कर्मचारी हफ्ते में 57.5 घंटे काम करते हैं जो इंटरनेशनल लेबर मेंडेट से लगभग नौ घंटे अधिक है। इंटरनेशनल स्टैंडर्ड क्लासिफिकेशन ऑफ ऑक्युपेशंस के तहत 20 क्षेत्रों में से 16 में कर्मचारी सप्ताह में 50 घंटे या उससे अधिक काम करते हैं। इसलिए भारत में पेशेवर, वैज्ञानिक और तकनीकी गतिविधियों की श्रेणी में भी हफ्ते में 55 घंटे काम होता है। केवल कृषि और निर्माण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्र ही 48 घंटे के कार्य सप्ताह के करीब आते हैं। युवा सबसे अधिक काम करते हैं।

आईएलओ के आंकड़ों से पता चलता है कि युवा कर्मचारी अपने वरिष्ठ सहयोगियों की तुलना में अधिक घंटे काम करते हैं। 20 की उम्र तक, भारतीय कर्मचारी सप्ताह में लगभग 58 घंटे काम करते हैं। 30 के मध्य तक वे लगभग 57 घंटे काम करते हैं। एकमात्र महत्वपूर्ण गिरावट तब आती है जब औसत कर्मचारी 50 के मध्य तक पहुंच

जाता है, जब वे 53 घंटे काम करते हैं। लेकिन यह अभी भी 48 घंटे के इंटरनेशनल लेबर मेंडेट से अधिक है। जीडीपी में कितना योगदान है? भारत में काम का हर घंटा जीडीपी में 8 का योगदान देता है। लंबे समय तक काम करने से तभी पैसा कमाया जा सकता है जब लोग उत्पादक हो सकते हैं। लंबे समय तक काम करने से उत्पादकता भी कम होती है। भारत की 8 से कम श्रम उत्पादकता केवल छोटी, कम आय और निम्न-मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं से बेहतर है। भारत भी एक निम्न-मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्था है, लेकिन इस आकार की अर्थव्यवस्था के लिए 8 प्रति घंटा काफी कम है। वियतनाम में यह 9.8 प्रति घंटा, फिलीपींस 10.5 और इंडोनेशिया 13.5 है। चीन में यह 15.4 है, जो उच्च आय वाले देशों की तुलना में कहीं भी नहीं है। -साभार

सरकारी नौकरी के आकर्षक विकल्प ई-कॉमर्स का बूम

■ नरेंद्र कुमार

देश में सरकारी और गैर-सरकारी नौकरियों में संकट के बावजूद, ई-कॉमर्स क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2023 में भारत के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने 60 बिलियन अमेरिकी डॉलर का कारोबार हासिल किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 22 प्रतिशत की वृद्धि है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि 2030 तक यह आंकड़ा 300 से 400 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा, क्योंकि वर्तमान में 93 करोड़ इंटरनेट उपभोक्ता हैं, जिनमें से 35 करोड़ वयस्क हैं।

ई-कॉमर्स या इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स दरअसल वस्तुओं और सेवाओं की खरीद-बिक्री का ऑनलाइन जरिया है। इसमें सभी तरह की चीजों की खरीद और बिक्री शामिल है–ये भौतिक वस्तुएं भी हैं और डिजिटल वस्तुएं भी। साथ ही, इस कारोबार में विभिन्न तरह की सेवाएं भी शामिल हैं। आज की तारीख में देश में खरीद-बिक्री का सबसे बड़ा बाजार ई-मार्केट या दूसरे शब्दों में हमारा मोबाइल और इंटरनेट है। ई-कॉमर्स ने कारोबारियों को बहुत-सी सहूलियतें दी हैं। पहले जहां कारोबार का एक नियमित समय होता था, ई-कॉमर्स ने समय और दूरी की इस बाधा को खत्म कर दिया है। आप 24 घंटे में कभी भी कोई भी वस्तु या सेवा ऑनलाइन माध्यम से खरीद या बेच सकते हैं। पहले ई-कॉमर्स के जरिए कारोबार सिर्फ अपनी वेबसाइट से ही संभव था, लेकिन अब तीसरे पक्ष यानी किसी और की वेबसाइट से भी यह बहुत आसानी से संभव है।ई-कॉमर्स का हाल के सालों में न केवल धनराशि के स्तर पर विस्तार हुआ है, बल्कि यह कारोबार के तरीके के स्तर पर भी फैला है। पहले जहां शुद्ध रूप से सिर्फ बेचने और खरीदने का काम होता था, अब ई-कॉमर्स के जरिए वो सभी तरह के कारोबार होते हैं, जो पहले सिर्फ ऑफलाइन संभव थे। मसलन, अब ई-कॉमर्स चलते ऑनलाइन नीलामी का कारोबार भी संभव है। पहले यह सीधे अपनी वेबसाइट से ही संभव था; आज यह तरह-तरह के मार्केट एप के जरिए भी हो रहा है। भारत में इसलिए भी ई-कॉमर्स का बेहद भरोसेमंद भविष्य है, क्योंकि सरकार ने भी पॉलिसी के स्तर पर ई-कॉमर्स को पूरी तरह से समर्थन देने का मन बनाया है। मसलन, अब बी2बी ई-कॉमर्स में सौ फीसदी एफडीआई की अनुमति है; पहले इस स्तर पर एफडीआई की अनुमति नहीं थी। विदेशी ई-कॉमर्स कारोबारी भारत में अपने कारोबार विस्तार का सपना देख रहे थे, लेकिन नीतिगत समस्याओं के चलते यह संभव नहीं था। अब ई-कॉमर्स क्षेत्र के विदेशी कारोबारियों को निवेश की अनुमति है। यही वजह है कि स्वदेशी ई-कॉमर्स दिग्गज फ्लिपकार्ट, एक बिलियन अमेरिकी डॉलर की पूंजी बाजार से उगाहने के लिए तैयार है। इसमें करीब 60 करोड़ अमेरिकी डॉलर की पूंजी का इंतजाम इसकी मूल कंपनी वॉलमार्ट के द्वारा होगा। पहले यह मुश्किल था, लेकिन अब ई-कॉमर्स के मार्केट प्लेस मॉडल में स्वचालित मार्ग के चलते आसानी से कारोबारी सौ फीसदी एफडीआई जुटा सकते हैं। ई-कॉमर्स में बेरोजगारी की समस्या को इसके जरिए हम अच्छी तरह से नियंत्रित कर सकते हैं। अगर आपने पढ़ाई की है और संचार के क्षेत्र में मोबाइल और इंटरनेट को अच्छी तरह से टैकल कर लेते हैं, तो आज आपको बेरोजगारी की समस्या से जूझने की जरूरत नहीं है। आप न सिर्फ छोटे स्तर से अपना कारोबार शुरू कर सकते हैं, बल्कि अगर आपमें किसी भी किस्म की स्किल या दक्षता है, तो उसका भी आसानी से कारोबार कर सकते हैं। क्योंकि ई-कॉमर्स में सिर्फ वस्तुओं का ही व्यापार विनिमय नहीं होता, बल्कि बड़े पैमाने पर सेवाओं का भी कारोबार होता है। आज देश में एक बिलियन डॉलर सालाना से ज्यादा के विभिन्न तरह के ट्यूशन पढ़ाए जाते हैं। भविष्य में करीब 90 प्रतिशत तकनीकी और गैर-तकनीकी शिक्षा ऑनलाइन होगी। डॉक्टरों की कंसल्टेंसी भी 60 प्रतिशत से ज्यादा ऑनलाइन हो जाएगी, विशेषकर जब देश में जी-6 संचार सुविधाएं उपलब्ध होंगी। करिअर के नाम पर अब ज्यादा से ज्यादा लोग बिना किसी की नौकरी किए अपनी ही नौकरी करेंगे, चाहे यह कारोबार के रूप में हो या सेवाओं के रूप में। इसलिए ई-कॉमर्स की यह बूम भारत के युवाओं के भविष्य के लिहाज से शानदार और भरोसा जगाने वाली है।

हिंदी की इस हालत के दोषी: आप-हम, और कौन!

संजीव शर्मा

'हिंदी के हत्यारे' पढ़कर आप चौंक गए न और हो सकता है कुछ लोग शायद नाराज भी हो गए होंगे क्योंकि हमारी अपनी सर्वप्रिय और मीठी हिंदी भाषा के साथ हत्यारे जैसा क्रूर शब्द सुनना अच्छा नहीं लगता । लेकिन, जब मैं यह कहूं कि मैं,आप और हम सभी हिंदी के हत्यारे हैं तो शायद आपको और भी ज्यादा बुरा लग सकता है और लगना भी चाहिए क्योंकि जब तक बुरा नहीं लगेगा तब तक हम अपनी गलतियों को सुधारने या खुद को बेहतर बनाने के लिए प्रयास नहीं करेंगे। किसी भाषा में मिलावट, व्याकरण बिगाड़कर,उसकी अनदेखी करना और उसकी बनावट एवं बुनावट से छेड़छाड़ करते जाना उसे तिल तिल कर मारना ही तो है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी कहा कि 'मातृभाषा का अनादर मां के अनादर के समान है।जो मातृभाषा का अनादर करता है वह देशभक्त कहलाने के लायक नहीं है।' जब गांधी जी जैसी संजीदा और संयम वाली शख्सियत मातृभाषा का सम्मान नहीं करने वालों को देशद्रोही जैसा मानने की हद तक कट्टर हो सकती है तो हमारी हिंदी भाषा को बर्बाद करने वालों को हिंदी के हत्यारे कहने में क्या बुराई है। हम सब हिंदी की हत्यारे हैं। यहां हम सब का मतलब मैं/हम/आप/ मीडिया/ सिनेमा/ बाजार और सरकारी कार्यालय सभी शामिल हैं। सबसे पहले हमारी बात कि आखिर 'हम-आप' हिंदी की हत्यारे कैसे हुए? अगर सही मायने में देखें और समझे तो हम हर दिन हिंदी की या अपनी भाषा की हत्या करते हैं। हिंदी में लेख/कविता/कहानी लिखना हिंदी की सेवा है लेकिन दिन प्रतिदिन उसकी अवहेलना करना अपराध। उदाहरण के लिए हम, अपने परंपरागत रिश्तों को आंटी और अंकल कहकर संबोधित करते हैं। हम, अपने बच्चों से कहते हैं कि वे आगंतुकों को आंटी कहें या उन्हें अंकल कहकर बुलाएं। क्या, दादी/ नानी/ मामी/ चाचा/ मौसी/ भाभी जैसे रिश्तों को अंकल-आंटी से पूरा कर सकते हैं । जिस भाषा के पास अहम पारिवारिक रिश्तों के लिए शब्द नहीं हैं तो वह ममेरे भाई, फुफेरे भाई या चचेरी बहन जैसे विस्तृत रिश्तों के लिए संबोधन कहां से लाएगी? ऐसी कंगाल अंग्रेजी भाषा को अपनाने के लिए हम अपनी मातृभाषा को ठुकराने के लिए तत्पर हैं। हम, दूसरी बड़ी गलती करते हैं कि अपने बच्चों को रिश्तेदारों के सामने नमूने की तरह पेश करते हुए उनसे अंग्रेजी की फलाना ढिकाना पोएम सुनाने का अनुरोध करते हैं या फिर उनसे कहते हैं बेटा 100 तक काउंटिंग सुनाओ। हम कितनी बार यह कहते हैं कि बेटा गिनती सुनाओ या हिंदी की कोई कविता सुनाओ । फिर हमारा यही बच्चा जब बाजार में सामान लेने जाता है और दुकानदार उससे कहता है कि उनचालीस रुपए हुए तो वह आंखें फाड़ कर मुंह ताकता रह जाता है या फिर कहता है भैया इंग्लिश में बताओ । नई पीढ़ी की इस कमी पर केंद्रित कई सारे चुटकुले बाजार में और मोबाइल पर उपलब्ध है जैसे कि दो लड़कियां एक गोलगप्पे की दुकान पर जाती है और वहां गोलगप्पे खाने के बाद वह दुकानदार से पूछती कितने पैसे हुए तो वह कहता है उन्नचास रुपएज लड़कियां सोचती है कि दुकानदार उन्हें ठगने की कोशिश कर रहा है और एक लड़की थोड़ा ज्यादा स्मार्टनेस दिखाते हुए कहती है कि भैया, हम तो हंड्रेड देंगे । बार बार समझाने के बाद अंततः दुकानदार भी सोचता है कि भाई जब बैठे ठाले दोगुने पैसे मिल रहे हैं तो लेने में क्या बुराई है। सोचिए, यह चुटकुला हकीकत भी हो सकता है। अगर उन बच्चियों के मां-बाप ने उन्हें सिखाया होता है कि 49 का मतलब एक कम 50 रुपए है तो शायद वह 100 रुपए देकर नहीं आतीं। इसी प्रकार आम बोलचाल में हम सामान्य चीजों के भी अंग्रेजी नाम इस्तेमाल करने लगे हैं जैसे कि हम कहेंगे वीक डेज, वीकेंड, मंडे, ट्यूसडे, थर्सडे या फिर सैटरडे । हम कितनी बार कहते हैं कि सोमवार मंगलवार,बुधवार या फिर वीकेंड को हफ्ते या सप्ताहांत जैसे शब्दों से याद करते हैं। जब हम खुद दिन प्रतिदिन की प्रक्रिया में अंग्रेजी शब्दों का मोह नहीं छोड़ पा रहे तो हम अपनी नई पीढ़ी में या अपने बच्चों में अपनी भाषा के बीज कैसे रोपित करेंगे ? कुछ यही हाल रंगों को लेकर है। अब हम नीला, हरा, गुलाबी या बैंगनी कितनी बार कहते हैं उल्टा रेड/ग्रीन/ यलो/ पिंक या पर्पल की बात ज्यादा करते हैं। तो हुए न, हम हिंदी के हत्यारे.. !!

यह महज कुछ उदाहरण है जबकि भाषा की विकृतियां दिन प्रतिदिन हमारी जीवन शैली का हिस्सा बनती जा रही हैं। यदि आप खुद अपने बोले गए शब्दों का अध्ययन करने बैठे तो आप स्वयं महसूस करेंगे कि हमारी भाषा में 30 से 40 फीसदी अंग्रेजी घुस गई है और हम हिंदी के पिछड़ने का रोना रो रहे हैं। हिंदी के हत्यारों में दूसरा नाम है- बाजार। हम आए दिन सुनते हैं 'यह दिल मांगे मोर', 'ठंडा मतलब कोका-कोला', 'आई एम कॉम्प्लान बॉय', 'यही है राइट चॉइस बेबी' या और भी ऐसे तमाम तरह के विज्ञापन और उनकी बेसिर पैर की लाइनज्जो हमें सुनने में बहुत अच्छी लगती हैं और हम उन्हें अपने व्यवहार में भी अपनाते जाते हैं। इसी तरह पैट शॉप, ग्रीटिंग कार्ड, शॉपिंग मॉल या और भी इसी तरह के तमाम शब्द जो बाजार हमारे सामने पेश करता जा रहा है और हम भी आंख बंद कर उनको अपनाते जा रहे हैं। बाजार तो मोटे तौर पर अंग्रेजी के हवाले है ही..यदि हम अपने आसपास की कुछ स्थानीय दुकानों या और छोटे-मोटे बाजारों को छोड़ दें तो किसी भी बड़े शॉपिंग मॉल मेंअंग्रेजी का बोलबाला खुलकर दिखता है और हिंदी कहीं किसी कोने में दबी सहमी नजर आती है। हिंदी के हत्यारों में तीसरा नाम आता है मीडिया का । मीडिया यानि समाचार पत्र, टीवी चैनल, पत्रिकाएं या इसी तरह के अन्य माध्यम । मीडिया में इन दिनों हिंग्लिश का इस्तेमाल परवान पर है। यदि आप अपने घर आने वाले अखबार के पन्ने पलटे तो आप आसानी से समझ जाएंगे की अंग्रेजी किस तरह से हिंदी मीडिया पर हावी होते जा रही है। हिंदी के कुछ अखबारों की सुर्खियों पर नजर डाली जाए तो इस तरह के उदाहरण रोज ही मिल जाते हैं जैसे 'पेट्स को खुश रखने हजारों के गिफ्ट', 'केंद्रीय मंत्री को मिली क्लीन चिट', 'गुणवत्ता में फेल हुए नमूने', 'धर्म की पाठशाला में सीखा टाइम और लाइफ स्टाइल मैनेजमेंट', 'कैश में खरीदा टीवी', 'वर्क लाइफ में संतुलन साधने की चुनौती'। वहीं,टीवी चैनलों में करप्शन, क्राइम, अटैक, मर्डर जैसे शब्द बहुतायत में देखने/ सुनने/पढ़ने को मिल जाते हैं । दिल्ली के एक अखबार ने तो हिंग्लिश को लगभग अपना लिया है। हिंदी के हत्यारों में चौथा नाम है सिनेमा का । सिनेमा ने जहां हिंदी भाषा को जनप्रिय और देशभर में फैलाने में सबसे अहम भूमिका निभाई है लेकिन भाषा को बर्बाद करने में भी यह पीछे नहीं है। उदाहरण के लिए यदि हम हिंदी फिल्मों के शीर्षकों पर ही सरसरी नज़र दौड़ाएं तो ऐसा लगता है कि हिंदी में उनके पास कोई उपयुक्त शब्द ही नहीं थे। मसलन 'मिस्टर एंड मिसेस 55', 'लव इन शिमला', 'दागन्द फायर', 'गोलमाल अगेन', 'जेंटलमैन', 'सिंघम रिटर्न' जैसे सैकड़ों उदाहरण मिल जाएंगे। ऐसा नहीं है कि हिंदी नाम वाली फिल्में लोकप्रिय नहीं होती। आखिर 'जिस देश में गंगा बहती है' और 'जब जब फूल खिले' से लेकर 'दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे' जैसी तमाम फिल्में बहुत लोकप्रिय हुई हैं। इसके अलावा फिल्मों के सफल अभिनेता और अभिनेत्री हिंदी में रोजी-रोटी कमाकर अंग्रेजी में संवाद करके गर्वित महसूस करते हैं। कुछ यही हाल टीवी पर आ रहे तमाम धारावाहिकों का है। वे खुलेआम हिंदी की टांग तोड़ते नजर आते हैं। कोरोना दौर में जन्में ओटीटी ने तो मानो हिंदी का समूल नाश करने की कसम ले ली है। विदेशों की नकल करती ओटीटी की विषय वस्तु और भाषा हर पल यह साबित करती है कि उसका जन्म ही मातृ भाषा से बलात्कार करने के लिए हुआ है । हिंदी के हत्यारों में आखिरी नाम है सरकारी कार्यालय । इन कार्यालयों में ज्यादातर अपने दैनिक कामकाज में बेवजह कठिन और दुरूह हिंदी शब्दों का इतना अधिक इस्तेमाल करते हैं कि आम व्यक्ति तो दूर शायद लिखने वालों की समझ में भी उनके पूरे अर्थ नहीं आते होंगे। उदाहरण के लिए ट्रेन के लिए लोह पथ गामिनी या मोबाइल के लिए चलित दूरभाष। शायद आप में से कुछ ही लोगों का पाला पुलिस थानों से पड़ा होगा लेकिन यदि आप इस जगह से रूबरू हुए हैं तो आपको पता होगा कि थानों में प्रथम सूचना रिपोर्ट- एफआईआर जिस भाषा में लिखी जाती है उसे समझ पाना उन हवलदार साहब के बस में भी नहीं होता जो उसे लिखते हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत राजभाषा विभाग ने भी सरकारी कामकाज में कठिन हिंदी शब्दों के स्थान पर सहज और सरल शब्दों के इस्तेमाल की सलाह दी है। जैसे प्रत्याभूति, मिसिल,अभिलेख और शास्ति जैसे शब्दों के स्थान पर क्रमशः गारंटी, फाइल,रिकॉर्ड और जुर्माना जैसे ज्यादा प्रचलित शब्द । वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग भी अपनी तरफ से हिंदी को सहज और सरल बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। 1960 में बने संस्थान ने अब तक आठ लाख से ज्यादा शब्द गढ़े हैं जो अब प्रचलन में भी हैं जैसे संगणक के लिए कंप्यूटर या संसद सदस्यों के लिए सांसद । कहने का मतलब यह है कि सरकार के स्तर पर भी भाषा को सहज एवं सरल बनाए रखने के लिए तमाम प्रयास हो रहे हैं बस जरूरत हमें उन्हें अपनाने की है।

सरकारी महकमों में एक चलन और बड़ी तेजी से बढ़ा है, वह है किसी योजना के परिष्कृत संस्करण को अंग्रेजी में लिखा जाना मसलन मोदी 3.0 या फिर उज्जवला 2.0 या इसी तरह के अन्य शब्द जबकि उनके स्थान पर मोदी सरकार का तीसरा कार्यकाल या उज्ज्वला का दूसरा संस्करण जैसे आसान शब्द उपलब्ध हैं। कुल मिलाकर किसी दूसरे व्यक्ति या दूसरी भाषा को दोष देने की बजाय सबसे पहले हमें अपने गिरेबान में झांक कर देखना चाहिए कि हम खुद अपनी भाषा को बर्बाद करने में कितने और किस हद तक जिम्मेदार हैं। सबसे पहले हमें अपने आप से, अपने घर से, अपने बच्चों से,अपनी परस्पर बातचीत से और अपने दफ्तर से शुरुआत करनी होगी तभी हम अपनी भाषा के मान, सम्मान और गुणवत्ता को बरकरार रख पाएंगे।

लेखक-चार देश चालीस कहानियां और अयोध्या 22 जनवरी जैसी लोकप्रिय किताबों के लेखक हैं व आकाशवाणी अधिकारी हैं।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा : तहसील कार्यालय पिपरिया में अधिकारी-कर्मचारियों ने किया श्रमदान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 2024 अंतर्गत 28 सितंबर को प्रातः 7.30 बजे से तहसील कार्यालय पिपरिया में अनुविभागीय अधिकारी अनीशा श्रीवास्तव के नेतृत्व में तहसील व नगरपालिका के अधिकारी- कर्मचारियों द्वारा श्रम दान किया गया। इस मौके पर अनु विभागीय अधिकारी द्वारा समस्त कर्मचारियों को संबोधित करते हुए स्वच्छता रखने के लिए प्रेरित किया गया और अपने-अपने कार्य स्थल पर रिकार्ड व्यवस्थित रखने एवं साफ सफाई रखने हेतु निर्देशित किया गया।

छात्र-छात्राओं द्वारा ग्राम जासलपुर में स्वच्छता अभियान चलाया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शासकीय नर्मदा महाविद्यालय द्वारा गोद ग्राम जासलपुर में श्रमदान किया गया.

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के अंतर्गत शासकीय नर्मदा महाविद्यालय की एन एस एस और एन सी सी इकाइ की छात्र-छात्राओं द्वारा गोद ग्राम जासलपुर में प्राचार्य के मार्गदर्शन में श्रमदान कर स्वच्छता रैली निकाली गई एवं नुक्कड़ नाटक किया गया ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कमिश्नर-कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस में दिए निर्देश

सभी कलेक्टर खाद के अवैध भंडारण, नकली खाद-बीज की बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई करें

जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण एनपीके खाद का व्यापक प्रचार प्रसार करें

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी कलेक्टर से कहा की वे अवैध खाद का भंडारण एवं बिक्री नकली खाद बीज की बिक्री पर सख्त कार्रवाई करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधि गण एवं अधिकारीगण एनपीके खाद का व्यापक उपयोग करने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार करें। लोगों को एनपीके खाद यूज करने के लिए जागरूक करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में डीएपी खाद की अडचन खड़ी हुई है। इसके विकल्प के रूप में एनपीके का उपयोग किसान भाई करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार का भी आग्रह है कि चीन पर निर्भरता कम रहे इसलिए स्वदेशी एनपीके का उपयोग करें। एनपीके के उपयोग करने से फसल उत्पादन में वृद्धि होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निजी क्षेत्र में उर्वरक वितरण पर विशेष निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि सभी कलेक्टर यह सुनिश्चित करें कि जहां-जहां भी अतिरिक्त केंद्र खोले गए हैं वहां पर भीड़ नियंत्रित रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी कलेक्टर्स अपने-अपने जिले में आकलन कर लें कि जिले में निजी एवं सहकारिता के माध्यम से खाद उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि एनपीके यूरिया पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षा के कारण कुछ जगह पर फसलो को नुकसान पहुंचा है, अतः सभी कलेक्टर्स फसल नुकसान का आकलन प्राथमिकता के साथ कर लें। सभी कलेक्टर्स किसान संघ के साथ संयुक्त बैठक करे। उन्होंने वर्ष काल में सड़कों के रखरखाव पर विशेष ध्यान देते हुए कहा कि अब सड़कों की मरम्मत भी कर ली जाए।

उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में आने वाले पर्व एवं त्योहारों पर कानून व्यवस्था की स्थिति चाक चौबंद रहे। कानून एवं व्यवस्था की स्थिति में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना हो। उन्होंने छात्रावास एवं आश्रमों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए साथ ही कहां की यदि अति वर्षा से कोई दुर्घटना घटित हुई हो तो तत्काल पीड़ित को राहत राशि देना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि राजस्व महा अभियान 2.0 में राजस्व न्यायालय के 80 लाख से अधिक प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया है। उन्होंने सड़कों पर विचरण करने वाले निराश्रित मवेशियों के पुनर्वास की प्रभावी व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि ओवरलोडिंग वाहनों एवं ओवरलोडिंग स्कूली वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए की राशन की दुकान सभी जगह सुचारू रूप से चले।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान आयुक्त कार्यालय के एनआईसी कक्ष में संभाग आयुक्त के जी तिवारी, पुलिस महानिरीक्षक इरशाद वली, संयुक्त आयुक्त विकास जीसी दोहर उपस्थित थे.

अमर शहीद भगत सिंह की जयंती पर श्रद्धा सुमन किए अर्पित

इटारसी, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम. स्थानीय नेहरू पार्क में सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच के सदस्यों ने उपस्थित होकर शहीद भगत सिंह की जयंती को मनाते हुए उनकी स्मृति पर उन्हें शत-शत नमन किया. इस अवसर पर अरुण दीक्षित डॉक्टर मयंक तोमर मोहम्मद अकरम खान डॉक्टर सुरेंद्र जीत सिंह सत्या चौहान ने शहीद भगत सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। अशोक देबोलिया केके शर्मा आशीष तिवारी सत्या चौहान प्रदीप द्विवेदी मोहम्मद असलम भारती धनंजय दुबे जय बाल निगम के साथ ही संस्था के अन्य सदस्य उपस्थित हुए। संस्था का मिशन गीत इंसान का इंसान से हो भाईचारा यही पैगाम हमारा का उद्बोधन करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

महाराणा सेना की नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन

सिवनी मालवा। महाराणा सेना नर्मदापुरम् संभाग एवं जिले की नवीन कार्यकारणी का गठन हुआ जिसमें सम्भागीय उपाध्यक्ष योगेश सिंह ठाकुर, सम्भागीय महामंत्री अमित सिंह ठाकुर, संभागीय महामंत्री उपेंद्र सिंह राजपूत, संभागीय मीडिया प्रभारी,हरिओम सिंह राजपूत, जिला उपाध्यक्ष नर्मदा पुरम बंटी राजपूत, प्रदेश संगठन मंत्री वीरेंद्र सिंह राजपूत, जिला अध्यक्ष विशाल सिंह राजपूत, जिला उपाध्यक्ष पूरणसिंह राजपूत (बंटी) को नियुक्त किया गया है। वहीं महाराणा सेना के 19 वर्ष पूर्ण होने पर नवनियुक्त पदाधिकारी ने सिवनी मालवा के वृद्ध आश्रम में पहुंचकर वृद्ध जनों को फल वितरित कर आशीर्वाद लिया। राजपूत समाज के सामाजिक बधुओ ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारीयों को पुष्प माला पहनकर तथा मिठाई खिलाकर अभिनंदन कर बधाइयां दी।

आजीविका मिशन में लखपति बनी दीदियों को किया सम्मानित

सिवनी मालवा। जनपद पंचायत सभा कक्ष में नारी शक्ति संकुल स्तरीय संगठन (आजीविका मिशन) द्वारा जनपद पंचायत सिवनी मालवा के सभा कक्ष में वार्षिक सामान्य सभा का आयोजन जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेणुका मृगेंद्र मंडलोई की अध्यक्षता में किया गया। सिवनी मालवा थाना प्रभारी श्रीमति उषा मरावी, आजीविका मिशन जिला कार्यालय से जिला प्रबंधक मूल्यांकन एवं अनुश्रवण सुश्री सुरेखा , ग्रामीण बैंक के मैनेजर रविन्द्र चौहान तथा 37 ग्रामो के ग्राम संगठन एवम स्व सहायता समूहों की 350 दीदियां उपस्थित हुई। कार्यक्रम का शुभारम्भ जनपद अध्यक्षा रेणुका मंडलोई द्वारा मां सरस्वती को माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। बैठक में आजीविका मिशन एवम समूहों द्वारा किये जा रहे कर्यो की जानकारी देते हुए प्रगति एवम उपलब्धियों को बताया गया। समूह और मिशन के सहयोग से लखपति बनी दीदियों द्वारा अपनी सफलता की कहानियां सुनाई गई। जनपद अध्यक्ष द्वारा अपने संबोधन में मिशन और महिलाओ द्वारा किये गए कर्यो को सराहा गया तथा महिला उत्पीड़न, महिला जनित समस्याओं और जेंडर मुद्दों पर महिलाओ को खुलकर जानकारियां दी गई।

शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में संचालित पांच पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पुनः सीएलसी राउंड प्रारंभ

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में संचालित 5 पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु संस्था स्तर काउंसलिंग प्रक्रिया पुनः प्रारंभ हो रही है। इस संस्था में संचालित त्रि वर्षीय तकनीकी डिप्लोमा पाठ्यक्रम सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एवं कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग जिसमें प्रवेश योग्यता कक्षा- 10 वी होना अनिवार्य है, इसी प्रकार 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट में प्रवेश अहर्ता कक्षा-12 वी (किसी भी विषय में) होना अनिवार्य है।

स्था प्राचार्य डॉक्टर पीसी नरवरे ने बताया है कि विद्यार्थी शेष रिक्त निम्न सीटों पर संस्था स्तर काउंसलिंग के माध्यम से दिनांक 30/09/2024 से 08/10/2024 रात्रि 11:45 तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराकर दिनांक 07/10/2024 को सुबह 10:00 बजे विद्यार्थी स्वयं संस्था परिसर में उपस्थित होकर निम्न रिक्त सीटों में रजिस्ट्रेशन उपरांत प्रवेश ले सकते है। तकनीकी डिप्लोमा पाठ्यक्रम का नाम एवं प्रवेश हेतु रिक्त सीटे Civil engineering प्रवेश हेतु रिक्त सीटे - 33, Mechanical Engineering प्रवेश हेतु रिक्त सीटे - 34, Electrical Engineering प्रवेश हेतु रिक्त सीटे - 26, Computer science & Engineering प्रवेश हेतु रिक्त सीटे - 09, Modern Office Management प्रवेश हेतु रिक्त सीटे 44 कुल रिक्त रह गई CLC round हेतु सीटें 146 है.

उपरोक्त प्रवेश हेतु संस्था स्तर काउंसलिंग ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर विद्यार्थी स्वयं अपने दस्तावेजों की मूल प्रति सहित दिनांक 07/10/2024 एवं इसके पश्चात सीट रिक्त रहने पर दिनांक 08/10/2024 को भी संस्था में सुबह 10:00 बजे उपस्थित होकर प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।

प्रवेश संबंधित जानकारी प्राप्त करने हेतु निम्न अधिकारी आर आर चंद्राकर व विभागाध्यक्ष -7999982337, देवेश तिवारी विभागाध्यक्ष- 7999832684, एवं अजय चंडाले व्याख्याता 8871138780 से संपर्क कर सकते हैं ।

मेट्रो एंकर नामदेव समाज की बैठक हुई, आयोजन को लेकर बनी रूपरेखा

धूमधाम से मनेगी संत नामदेव महाराज की 754वीं जयंती

इटारसी, दोपहर मेट्रो

संत नामदेव महाराज की 754 वीं जयंती मनाने को लेकर 28 सितंबर को ईश्वर रेस्टोरेंट में एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के पदाधिकारी व अन्य सदस्य मौजूद थे। वहीं इस दौरान नामदेव समाज की नगर कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। जिसमें नामदेव समाज विकास परिषद, नामदेव महिला परिषद व नामदेव समाज युवा परिषद का गठन कर सदस्यों को जिम्मेदारियां सौंपी गई।

संत नामदेव महाराज की 754 वीं जयंती 17 नवंबर 2024 दिन रविवार को ईश्वर रेस्टोरेंट में मनाई जाएगी। संत नामदेव की जयंती पर सुबह 8 बजे से शाम तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। जयंती अवसर पर कार्यक्रमों की श्रृंखला में सर्वप्रथम

संत नामदेव की पूजन आरती एवं चालीसा का पाठ किया जाएगा। वहीं समाज की प्रतिभाओं व वरिष्ठजनों का सम्मान इस दौरान किया जाएगा। जयंती अवसर पर बच्चों के विभिन्न सांस्कृति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सामाजिक बंधुओं का संक्षिप्त परिचय कार्यक्रम के बाद विजेता बच्चों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी वर्षों में नामदेव समाज परिचय

सम्मेलन का आयोजन शहर में कराने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में समाज के प्रत्येक परिवार से सहयोग राशि न्यूनतम राशि 1100 रूपये निर्धारित की गई है। इससे अधिक की राशि का सहयोग भी समाजजन अपनी स्वेच्छानुसार कर सकते हैं। वहीं वर्ष 2023-24 का बजट सर्वसम्मति के पारित किया गया। बैठक में नामदेव विकास परिषद के अध्यक्ष देवेन्द्र जनौरिया, उपाध्यक्ष गौहरपाल नामदेव, कैलाश नामदेव, योगेश मोयल, सचिव रामचरण नामदेव, कोषाध्यक्ष पूनमचंद नामदेव, कार्यकारी अध्यक्ष स्वर्णलता छेनिया, उपाध्यक्ष संगीता नामदेव, पूजा नामदेव आदि मौजूद थीं।

पदाधिकारियों की सूची

नामदेव समाज विकास परिषद - अध्यक्ष देवेन्द्र जनौरिया, उपाध्यक्ष -गौहरपाल सिंह, कैलाश नामदेव, शैलेन्द्र नामदेव, योगेश मोयल, सचिव रामचरण नामदेव, कोषाध्यक्ष पूनमचंद्र नामदेव, सहसचिव आशीष नामदेव। नामदेव समाज संरक्षक मंडल- लालाधर नामदेव, रमेश नामदेव, संतोष सरवरिया।

नामदेव समाज महिला परिषद-अध्यक्ष श्रीमती संगीता जनौरिया, कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती स्वर्णलता छेनिया, उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा नामदेव, श्रीमती पूजा नामदेव, सचिव श्रीमती राखी शरण, सहसचिव श्रीमती भारती सिंगारे, संगठन मंत्री श्रीमती वर्षा नामदेव, सहसचिव श्रीमती मंजू नामदेव।

नामदेव समाज युवा परिषद-अध्यक्ष राहुल शरण, कार्यकारी अध्यक्ष राजेश नामदेव, उपाध्यक्ष सर्वश्री सुशील नामदेव, अभिषेक नामदेव, डॉ. अविनाश नामदेव, कपिल सिंगारे, सचिव अतुल नामदेव, सहसचिव दीपक सिंगारे, सचिन शरण, संगठन सचिव अमित नामदेव मेहरागांव,

शोभा की सुपारी बने हैं सात वन ग्रामों के BSNL के टावर एक भी चालू नहीं

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

इस आधुनिक युग में मोबाइल और एंटरनेट का जमाना है जिसके बगैर कुछ भी काम करना संभव नहीं है लेकिन वही सिवनी मालवा ब्लाक के अंतर्गत आने वाले अधिकतर वन ग्रामो मे मोबाइल के बीएसएनएल के टावर कुछ महीने पहले लगे तो है लेकिन वो किसी काम के नहीं है। टॉवर लगते ही ग्रामीणों ने सिम पोर्ट करबा कर बैलेंस डलबाया और कुछ दिनों बाद टावर ही बंद हो गया।वन ग्राम ढेकना के सरपंच प्रतिनिधि परसराम बारस्कर ने बताया टावर 3 दिन ही चला और बन्द हो गया टावर की रेंज बराबर गांव में ही नही मिलती थी

तब मैने बीएसएनएल टावर के इंजीनियर से बात की तो उन्होंने आदि अधूरी बात की और फोन काट दिया दो तीन बार डबल से लगाया तो उन्होंने बताया की

टावर के पास लाइट व्यवस्था नहीं होने के कारण बंद हो गया है अभी टावर सोलर पैनल से चल रहा है इस कारण लोड नही उठा पा रहा है जैसे ही हमारे पास लाइट व्यवस्था हो जाएंगी मीटर लग जायेगा तो हम शीघ्र ही चालू करबायेंगे और नेटवर्क भी पर्याप्त मिलेगा। सिवनी मालवा के पत्रकार विजय सिंह ठाकुर,संतोष सिंह चंदेल ने तत्कालीन कलेक्टर नीरज

सिंह से ग्रामीण क्षेत्रों में टावर नहीं होने के कारण मोबाइल नेटवर्क और ऑनलाइन संबंधित शासन की योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाने की समस्या से अवगत करवाया था यहां तक की एक बार उनके सिवनी मालवा दौरे के समय सिवनी मालवा एसडीएम कार्यालय में ही इसी मुद्दे को लेकर लंबी बात चली इस बात की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने तत्काल बीएसएनएल के अधिकारियों से बात कर टावर लगवाने की व्यवस्था की थी लेकिन अब यही टावर शोभा की सुपारी बनकर रह गए हैं। इन वन ग्रामों में नेटवर्क और बिजली के इंतजार में तैयार खड़े हैं बीएसएनएल के टावर पलासी,गीतखेड़ा,ढेकना, मोरघाट,लही,सामरधा,चांगली गड़ाई में लगे हुए हैं इनमे से एक ही टावर तीन दिन के लिए चालू हुआ था बो भी बंद हो गया।

सिरोंज। कुरवाई विधायक हरि सिंह सप्रे ने शनिवार को भोपाल में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान व मुख्यमंत्री डां मोहन यादव से मुलाकात कर बारिश से कटाई के दौरान किसानों की फसलों को हो रहे नुकसान से अवगत कराया गया। विधायक सप्रे ने बताया कि केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह जी व मुख्य मंत्री डां मोहन यादव ने आश्वासन दिया है प्रदेश के किसानों के साथ सरकार खड़ी किसानों को चिंतित होने की जरूरत नहीं है।

गंजबासौदा कृषि उपज मंडी में तुलाई विवाद से किसानों और व्यापारियों की बढ़ रही है परेशानी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

गंजबासौदा कृषि उपज मंडी इलेक्ट्रॉनिक धर्मकांटे पर तुलाई को लेकर एक सप्ताह से अधिक समय से बंद है, जिससे किसान, व्यापारी और मजदूरों की परेशानी बढ़ गई है। यह मुद्दा इतना गंभीर है कि इसका समाधान निकालने के लिए जनप्रतिनिधियों को आगे आना चाहिए और किसानों-व्यापारियों के साथ संवाद कायम करना चाहिए। लेकिन चुनावों में इन सभी के हितैषी बनने वाली पार्टियों के जनप्रतिनिधि मौन हैं और इस मुद्दे से बचना चाहते हैं। किसानों की इलेक्ट्रॉनिक धर्मकांटे पर तुलाई को लेकर जनप्रतिनिधियों को आगे आना चाहिए और किसानो-व्यापारियों के साथ संवाद कायम करना चाहिए ताकि किसानों, व्यापारियों और मजदूरों की परेशानी दूर हो सके। यह समय की मांग है कि जनप्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारी निभाएं और किसानों की समस्याओं का समाधान करें।

बारिश से फसलों पर प्रभाव पड़ेगा और फसलें खराब होने की संभावना ह

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

जनपद पंचायत अंतर्गत, देहरी उमरिया उनारसी रजाखेड़ी बरखेड़ा आदि ग्रामों में एक घंटे तक तेज़ बारिश हुई ! बारिश से फसलों पर प्रभाव पड़ेगा और फसलें खराब होने की संभावना है ! बदलते मौसम और बारिश से किसान काफ़ी चिंतित हैं ! ग्रामीण इलाकों में आसमान में बादल छाए हुए हैं और बारिश होने की संभावना है !शाहरुख उनारसी ने बताया कि इस समय किसान फसल कटाई में जुटा हुआ है ! मेरे ग्राम सहित कई जगह खेतों में कटी हुई फसलें रखी हुई है ! बारिश से फसलें नष्ट हो जायेंगी ! साथ ही बारिश के चलते किसान कटाई भी नहीं कर पा रहा है।कुरवाई विधायक ने बारिश के चलते फसलों को हो रहे नुकसान को लेकर केन्द्रीय मंत्री सहित मुख्यमंत्री से मुलाकात। किसानों की समस्या से कराया अवगत

कलेक्टर ने खरीदी कार्य तथा खाद्य उपलब्धता के संबंध में दिए निर्देश

ऑनलाइन स्टॉक अपडेट रहे, गूगल शीट तैयार कर जानकारी दर्ज करें

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने उपार्जन और खाद्य आपूर्ति के संबंध में मुख्यमंत्री जी द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में ऑनलाइन स्टॉक को अपडेट रखने के निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने इस कार्य के लिए गूगल सीट तैयार कराई जाकर ऑनलाइन सिस्टम जनरेट करने के निर्देश दिए हैं। जिसमें किसानों को वितरित किए जाने वाले यूरिया और डीएपी की जानकारी दर्ज हो सके।

कलेक्टर ने खाद की कालाबाजारी की रोकथाम के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं उन्होंने कहा है कि खरीदी केन्द्रों की तैयारी कर लें पिछली बार जिन खरीदी केन्द्रों पर समस्या उत्पन्न हुई थीं। उनकी सूची तैयार कर उन खरीदी केन्द्रों में पर्याप्त व्यवस्थाएं बनाएं, ताकि खरीदी कार्य के दौरान कृषक बांधों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कृषक बंधुओं की सुविधा की दृष्टि से अन्य आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधितों को दिए हैं।

कलेक्टर श्री सिंह ने सभी एसडीएमो को भी निर्देशित किया है कि खाद वितरण कार्य जिले की 154 सोसायटियों पर होना है। इस हेतु नजर बनाए रखे, ऑन लाइन सिस्टम तैयार किया जा रहा है ताकि खाद की काला बाजारी ना हो। शासन की मंशा है कि प्रत्येक किसान को यूरिया और डीएपी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो सके। इस हेतु बेहतर व्यवस्थाएं क्रियान्वित करें। इसके अलावा उन्होंने नैनो यूरिया, नैनो डीएपी के प्रचार-प्रसार कार्यो पर भी बल दिया है।

मुख्यमंत्री द्वारा व्हीसी के माध्यम से आवश्यक दिशा-निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा आज वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से प्रदेश में खाद्य की उपलब्धता एवं सोयाबीन खरीदी सहित अन्य बिंदुओं पर जिलों के कलेक्टरों से संवाद कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने खाद्य की उपलब्धता तथा सोयाबीन खरीदी के लिए बनाए जाने वाले खरीदी केन्द्रों पर कृषकों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी उत्पन्न ना हो, ऐसी व्यवस्थाएं क्रियान्वित कराए जाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्ट्रेट स्थित विदिशा के एन आईसी व्हीसी कक्ष में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान तहत संवाद कार्यशाला का आयोजन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत नगरीय क्षेत्र कुरवाई निजी एवं शासकीय शालाओं , महाविद्यालय में स्वच्छता व्यवहार पर आधारित कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों से स्वच्छता शिष्टाचार और व्यवहार पर चर्चा की गई । कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को कचरा प्रबंधन एवं शौचालय की स्वच्छता के प्रति जागरूक एवं संवेदित कर व्यवहार परिवर्तन की प्रक्रिया को सहज बनाना है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी मोहम्मद यासिर खान के निर्देशन मे नगर परिषद कुरवाई द्वारा शासकीय महाविद्यालय कुरवाई एवं फ्यूचर पिलर स्कूल कुरवाई में कार्यशालाओं का आयोजन किया गया इस कार्यशाला मे दोनों ही संस्था के समस्त कर्मचारी शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यशाला में नगर परिषद कुरवाई के उप यंत्री गौरव

कुमार ने स्वच्छता के संबंध में छात्र-छात्राओं से संवाद भी किया। स्वच्छता प्रभारी श्री फराज मोहम्मद ने छात्र-छात्राओं को कचरे के पृथक्कीकरण पर संवाद किया। कार्यक्रम में निकाय के कर्मचारी शेख शाहबाज, संदीप वाल्मीकी, अशोक सेन आदि उपस्थित थे

पैदल रैली निकाल कर स्वच्छता की अलख जगाई

विदिशा। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत दो अक्टूबर तक स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता की थीम पर स्वच्छता की अलख जगाने स्वच्छता पैदल रैली का आयोजन खेल स्टेडियम विदिशा से प्रारंभ हुआ। स्वच्छता रैली गुलाब वाटिका, डंडापुरा से होते हुए तिलक चैक से होकर माधवगंज चैराहे पर सम्पन्न हुई।

स्वच्छता रैली में विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन , विदिशा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी, श्री कैलाश रघुवंशी, श्री राकेश शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों तथा कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ श्री पंकज जैन सहित शहर के गणमान्य नागरिकों स्कूल, कॉलेज के विद्यार्थियों, सामाजिक, धार्मिक संगठन के पदाधिकारी, विभागों के विभाग प्रमुख व अधीनस्थ अधिकारी, कर्मचारीगण, एनसीसी, स्काउट, एनएसएस के सदस्यगण, स्थानीय मेडिकल कॉलेज व नर्सिंग कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने स्वच्छता पैदल रैली में शामिल होकर स्वच्छता की अलख जगाई है।

नशा मुक्ति के लिए नगर पालिका में हुआ कार्यक्रम महिलाओं से नशा छुड़वाने में मांगा सहयोग

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नशे का कारोबार नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में तेजी से पैर जमा रहा है । युवा पीढ़ी भी इसकी गिफ्ट में फंसकर अपना भविष्य बर्बाद कर रही है कई तरह का नशा अवैध रूप से खुलेआम बिक रहा है पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है कई शराब ठेकेदारों के द्वारा भी गांव-गांव एजेंट बनकर शराब बिकवाने का काम करके ग्रामीण क्षेत्र का माहौल भी खराब किया जा रहा है। नगर में चरस गांजे के साथ शराब की सप्लाई भी हो रही है। इसके चलते कई परिवार टूट रहे हैं हर दिन विवाद की स्थिति निर्मित हो रही है यह सब नशे के कारण नहीं हो रहा है इसकी जानकारी होने के बाद भी इस पर लगाम नहीं लगाई जा रही है। नशे के चलन पर रोकने के लिए कई अभियान चलाया जा रहे हैं पर यह अभियान केवल खाना पूर्ति करने के लिए होते हैं नशे के कारोबार पर आज तक रोक नहीं लग पाई है। वही नशे से होने वाले दुष्परिणामों के प्रीति जागरूक करके नशा छुड़वाने में सहयोग की अपेक्षा को लेकर नगर पालिका परिषद में महिला स्वसहायता समूह की महिलाएं को नशा मुक्ति अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें नशा करने होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी गई एवं सभी प्रकार के नशाओं को छुड़वाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाए साथ- ही नशा मुक्ति के लिए शपथ भी दिलवाई गई जिसमें नगर पालिका से पेंशन अधिकारी संतोष सहरिया योजना शाखा से ज्योति दुबे महिला बाल विकास सुपरवाइजर जीतू वाला ने कहा कि महिलाएं ठान लें तो नशे के चलन पर रोक लगा सकती है घर में नशा करने वालों को पहले समझाएं फिर दूसरों को भी नशे से होने वाले नुकसानों से अवगत कराकर नशा मुक्ति अभियान में सहयोग करें।

स्वच्छता की प्रेरणा दे रहे कार्यालय

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में स्वच्छता अभियान के उद्देश्यों की पूर्ति की विशेष पहल की जा रही है। शासकीय अवकाशों में भी कार्यालयों को खोल कर साफ सफाई के कार्यो को पूरा किया जा रहा है। शासकीय कार्यो को संपादित करने वाले विभाग कार्यालयों से आमजनों को स्वच्छता की प्रेरणा मिल रही है। कार्यालयों के अधिकारियों-कर्मचारियों के हाथों में झाड़ू पौछा के कपड़े देख कर आश्चर्यचकित न हो। गांधी जयंती दो अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान का मुख्य उद्देश्य हर नागरिक अपनी दैनंदिन का हिस्सा बना कर जीवन में स्वच्छता के दामन को पकड़ कर रखें, अस्वच्छता से अनेक प्रकार की तकलीफों से बचा जा सकता है।

मेट्रो एंकर आरबीसी 64 के तहत सर्पदंश प्रकरणों के भुगतान की समीक्षा

कलेक्टर ने राजस्व कार्यों की समीक्षा में राजस्व वसूली में गति लाने के निर्देश दिए

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने आज राजस्व कार्यो की गहन समीक्षा करते हुए राजस्व वसूली के कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए हैं उन्होंने कलेक्ट्रेट के बेतवा सभाकक्ष में आयोजित आरो बैठक में उपस्थित अनुभाग क्षेत्र के समस्त एसडीएम तथा तहसीलदार समेत सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश स्तरीय जारी ग्रेडिंग सूची में राजस्व वसूली के मामले में विदिशा जिले की स्थिति अच्छी बने इसके लिए राजस्व वसूली के निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति करें। उन्होंने राजस्व वसूली के कार्यों को पहली प्राथमिकता के साथ करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में विवादित, अविवादित नामांतरण, विवादित, अविवादित बंटवारा, नक्शा तरमीम, राजस्व महाअभियान, पीएम किसान ई-केवायसी, डिजिटल क्राप सर्वेक्षण, भूमि आवंटन प्रकरणों की समीक्षा सहित अन्य राजस्व से संबंधित कार्यों की समीक्षा की है उन्होंने आरबीसी 64 के तहत सर्पदंश प्रकरणों के भुगतान की समीक्षा तथा पानी में डूबने से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा की है उन्होंने निर्देश दिए हैं की सर्वप्रथम उसके मामलों में पीएम की रिपोर्ट आने में विलंब ना हो सभी एसडीएम ध्यान रखें जो बीएमओ पीएम रिपोर्ट देने में देरी करें उनके खिलाफ कार्यवाही प्रस्तावित करें। सर्पदंश और डूबने से मृत्यु के प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता से देखे किसी भी प्रकार की विलंबता भुगतान में ना हो। कलेक्टर श्री सिंह ने राजस्व न्यायालयीन प्रकरणों के निराकरण मामलों में जिन राजस्व अधिकारियों द्वारा 90 प्रतिशत से ऊपर लक्ष्य पूर्ति करने तथा नामांतरण और सीमांकन प्रकरणों को 100 प्रतिशत करने पर भी संबंधितों को बधाई दी है।

अपडेट जानकारी से अवगत कराएं

कलेक्टर श्री सिंह ने आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए जिले में जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसडीएमो को निर्देशित किया है। उन्होंने कहा है कि सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरे फैलती है छोटी-छोटी चीजे बडी बन जाती है। इन पर पैनी नजर रखते हुए मीडिया को अपडेट जानकारी से अवगत कराएं। इसके साथ ही उन्होंने नवरात्रि पर्व के दौरान प्रतिमाओं को पंडाल स्थल पर ले जाने में किसी भी प्रकार की कोई परेशानी ना हो इसके लिए सडको के गडढो की मरम्मत कार्य पूर्ण कर ले ताकि कोई अप्रिय स्थिति उत्पन्न हो सके। उक्त बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती मोहिनी शर्मा, श्रीमती शशि मिश्रा, सुश्री निकिता तिवारी, डिप्टी कलेक्टर श्री संतोष बिटोलिया सहित सभी अनुभाग क्षेत्र के एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा अन्य राजस्व से संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सरदार वल्लभभाई पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

(शासन द्वारा स्वशासी घोषित एवं राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल से सम्बद्ध)

फोन नं0 0755-2660556, 2660558

वेबसाईटः www.dtempcounselling.org तथा dte.mponline.gov.in

संस्था स्तर की कांउसलिंग द्वारा तीन वर्षीय पॉलीटेक्निक डिप्लोमा आर्किटेक्चर में प्रवेश लेने हेतु अंतिम अवसर

ब्रांच	अवधि	पात्रता	संस्था स्तर काउंसलिंग की सारणी
आर्किटेक्चरल असिस्टेंटशिप (AAT)	03 वर्ष	10वीं उत्तीर्ण	द्वितीय चरण की संस्था स्तर की काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटो के लिय संस्था स्तर की कांउसलिंग (CLC- सी. एल. सी) के तृतीय चरण हेतु ऑनलाइन रजिस्ट्रेशनः 28/09/2024 से 30/09/2024 (समय-रात्रि 11.30 बजे तक) एवं संस्था में प्रवेश के लिये उपस्थित होने की तिथिः 30/09/2024 (समय - प्रातः 10:30 से दोपहर 1.00 बजे तक उपस्थिति)

- भारत सरकार काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त डिप्लोमा
- रचनात्मक फील्ड, स्वरोजगार, इंटीरियर डिज़ाइन, शासकीय एवं प्राइवेट में रोजगार के अपार अवसर
- प्रदेश का प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान
- SC / ST / OBC के छात्रों को स्कॉलरशिप सुविधा
- क्लासरूम, मॉडर्न लैब, जिम, स्पोर्टस, wi-fi सुविधा
- वर्कशॉप, सेमिनार / वेबिनार, इंडस्ट्रियल विजिट, सांस्कृतिक गतिविधियां
- सम्पर्क : 9753852665, 9424752689, 7694906570, 9424441275

प्राचार्य
स. व. पॉलिटेक्निक हाविद्यालय
भोपाल (म.प्र.)

G-16872/24

चाइना ओपन टेनिस: झेंग शुई ने 603 दिन बाद जीते लगातार दो मैच

बीजिंग. एजेंसी

लंबे समय बाद जीत की लय हासिल करने वाली चीन की 35 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी झेंग शुइ ने यहां खेले जा रहे चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट में लगातार दूसरा उलटफेर किया। हाल ही में झेंग ने 603 दिन और लगातार 24 मैच हारने के बाद अपनी पहली जीत हासिल की थी, जब उन्होंने राउंड-128 में अमरीका की 65वीं रैंकिंग की खिलाड़ी मेकार्टनी केसलर को हराया था। अब उन्होंने तीन दिन के अंदर दूसरा उलटफेर किया। उन्होंने टूर्नामेंट में छठी वरीय अमरीकी खिलाड़ी एम्मा नवारो को राउंड-64 मुकाबले में 6-4, 6-2 से शिकस्त देकर बाहर का रास्ता दिखाया।

टॉप-10 को हराने वाली पहली खिलाड़ी: झेंग चाइना ओपन के इतिहास में शीर्ष-10 प्रतिद्वंद्वी को हराने वाली सबसे कम रैंकिंग वाली खिलाड़ी बन गई है। झेंग की वर्तमान विश्व रैंकिंग 595 हैं जबकि उनसे हारने वाली अमरीका की एम्मा नवारो दुनिया की आठवें नंबर की खिलाड़ी हैं। झेंग का करियर लगातार चोट से प्रभावित रहा है। चोट की वजह से उन्हें छह महीने का ब्रेक लेना पड़ा और उन्होंने फरवरी में दुबई में वापसी की थी। चाइना ओपन के राउंड-32 में झेंग की भिड़ंत अब रूस की अनास्तासिया पोतोपोवा और बेल्जियम की ग्रीट मिनेन के बीच होने वाली मैच की विजेता से होगी। वहीं, एक अन्य मैच में जापान की नाओमी ओसाका ने 21वीं वरीय कजाकिस्तान की यूलिया पुतिंसेवा को हराया।

52 साल पुराना रेकॉर्ड तोड़ा था

झेंग ने राउंड-128 में मेकार्टनी केसलर को हराकर 52 साल पुराना रेकॉर्ड तोड़ा था। चीनी खिलाड़ी ओपन एरा में 1972 के बाद पहली ऐसी खिलाड़ी थीं, जिन्हें जीत के लिए इतना लंबा इंतजार करना पड़ा। उनसे पहले, स्वीडन की मेडलीन पेगेल को 1968 से 1972 के बीच पहली जीत के लिए 29 मैचों का इंतजार करना पड़ा था।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

यंग जनरेशन के नए हीरो निभाएंगे पुलिस का रोल

'धूम 4' में नजर आएंगे रणबीर काफी वक्त से जारी था डिस्कशन

यशराज बैनर की सबसे चर्चित और मशहूर फिल्म 'धूम' के अगले पार्ट में रणबीर कपूर की एंट्री हो गई है। एक्टर के 42वें बर्थडे पर यह खबर सामने आई है कि 'धूम 4' में रणबीर नेगेटिव रोल में नजर आएंगे। काफी वक्त से जारी था डिस्क्शन सुनने में आया है कि मेकर्स और रणबीर के बीच इस फिल्म को लेकर काफी वक्त से डिस्कशन जारी था। सूत्रों की मानें तो, 'रणबीर को हमेशा से ही इस फिल्म में इंटरेस्ट था। वो इसका बेसिक आइडिया सुनकर ही इस पर काम करने के लिए तैयार थे और अब यह कन्फर्म हो गया है कि वो 'धूम 4' का हिस्सा होंगे। इस बार नए सिरे से शुरू होगी कहानी सुनने में यह भी आया है कि 'धूम 4' में इस फेंचाइजी से जुड़ रहे अभिषेक बच्चन और उदय चोप?ा जैसे अन्य कलाकार नजर नहीं आएंगे। मेकर्स इस बार इस फिल्म का सीक्वल नहीं बल्कि रीबूट बना रहे हैं। इसकी कहानी नए सिरे से क्रिएट की जाएगी। चर्चा है कि अभिषेक बच्चन और उदय चोपड़ा इस फिल्म के नए पार्ट का हिस्सा नहीं होंगे।

फिल्म की स्टोरी हो चुकी लॉक

चर्चा है कि अभिषेक बच्चन और उदय चोपड़ा इस फिल्म के नए पार्ट का हिस्सा नहीं होंगे। यंग जनरेशन के दो हीरो और नजर आएंगे सूत्रों ने यह जानकारी भी दी कि यंग जनरेशन के ही दो नए हीरोज को पुलिस ऑफिसर के रोल में कास्ट किया जाएगा। फिल्म की स्टोरी लॉक हो चुकी है और अब टीम कास्टिंग पर काम शुरू करने वाली है। वर्कफ्रंट पर रणबीर इन दिनों 'रामायण' की शूटिंग में बिजी हैं। यह उनके करियर की पहली माइथोलॉजिकल फिल्म है। इसमें वो श्रीराम का रोल कर रहे हैं। जॉन, ऋतिक और आमिर रहे हैं लीड 'धूम' सीरीज की शुरुआत 2004 में हुई थी।

कैटरीना परिवार के संग रहना पसंद करती हैं

अभिनेत्री कैटरीना कैफ को काम के बिजी शेड्यूल के बीच में परिवार के साथ समय बिताना पसंद है। उनका मानना है कि इससे शांति और पूर्ण होने का एहसास होता है, जिससे सुकून मिलता है। कैटरीना ने परिवार और रिश्तों को लेकर कुछ खास बातें कही हैं। अभिनेत्री कैटरीना कैफ बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्रियों में से एक हैं। कैटरीना अक्सर कई मौकों पर अपने काम से जुड़े किस्सों, पति विक्की कौशल के साथ बिताए पलों और उनसे जुड़ी बातों को प्रशंसकों के साथ साझा करना पसंद करती हैं। एक बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि वो अपने काम के बीच भी समय निकालकर अपने करीबियों और परिवार के साथ समय बिताना पसंद करती हैं। यही पल उन्हें फिर से एनर्जी के साथ काम करने की ताकत देते हैं। कैटरीना ने एक इंटरव्यू में अपने काम और परिवार के बीच समय बिताने को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, जब आप लगातार काम करते हैं, तो निजी कामों के लिए समय निकालना थोड़ा मुश्किल होता है। ऐसी परिस्थिति में काम के साथ परिवार के लिए समय बिताना भी उतना ही जरूरी हो जाता है।

मुश्किलों में फंसी दिलजीत की फिल्म 'पंजाब 95' सेंसर बोर्ड ने 120 कट व बदलाव के आदेश दिए

दिलजीत दोसांझ की अपकमिंग फिल्म पंजाब 95 बीते लंबे समय से विवादों से घिरी हुई है। फिल्म में दिलजीत ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट जसवंत सिंह खालड़ा का रोल निभाने वाले हैं। सेंसिटिव मुद्दा होने पर सेंसर बोर्ड ने फिल्म में 85 कट लगाने की मांग की थी, हालांकि अब रिवाइज्ड कमेटी ने इसमें 85 नहीं बल्कि 120 कट लगाने का आदेश दिया है। वहीं कमेटी को फिल्म के टाइटल से भी दिक्कत है, जिसमें बदलाव की मांग की गई है। हाल ही में आई मिड-डे की रिपोर्ट के अनुसार, सेंसर बोर्ड की नई कमेटी ने फिल्ममेकर्स को फिल्म के उन सभी सीन में बदलाव करने के आदेश दिए हैं, जहां पंजाब और उसके जिले तरन तारन साहिब को मेंशन किया गया है। फिल्म का टाइटल पंजाब 95 रखा गया है। साल 1995 में जसवंत सिंह खालड़ा लापता हुए थे, ऐसे में सेंसर बोर्ड की कमेटी की मांग है कि इस टाइटल में बदलाव किया जाए। इससे लोगों की भावनाएं आहत हो सकती हैं। कमेटी की मांग है कि फिल्म के मुख्य किरदार जसवंत सिंह खालड़ा का नाम भी बदलकर दिखाया जाए।

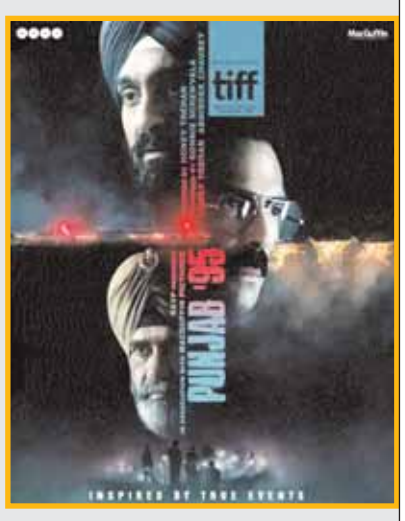

बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 टीम में मयंक यादव को मौका

सैमसन और जितेश विकेटकीपर; सूर्या को कमान, वरुण चक्रवर्ती की वापसी

नईदिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो गया है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम में ज्यादातर सीनियर प्लेयर्स को आराम दिया गया है। वहीं आईपीएल में 150 किमी की स्पीड से गेंदबाजी कर सभी का ध्यान खींचने वाले तेज गेंदबाज मयंक यादव को पहली बार मौका मिला। टीम में वरुण चक्रवर्ती और अभिषेक शर्मा की वापसी हुई है। वहीं संजू सैमसन और जितेश शर्मा को विकेटकीपर के रूप में चुना गया। हार्दिक पंड्या भी स्क्वॉड का हिस्सा हैं। बांग्लादेश के खिलाफ 3 टी-20 की सीरीज 6 अक्टूबर से शुरू होगी।

बुमराह, शुभमन को आराम टी-20 सीरीज की टीम से सीनियर प्लेयर्स को आराम दिया गया है। इनमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज शामिल हैं। सभी प्लेयर्स बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज में भी टीम इंडिया का हिस्सा हैं।

मयंक यादव को पहली बार इंडियन टीम में मौका मिला

लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए आईपीएल खेलने वाले मयंक यादव को पहली बार इंडियन टीम में मौका मिला है। उन्होंने लखनऊ से खेलते हुए 150 किमी से ज्यादा की स्पीड से गेंदबाजी कर सभी को चौंकाया था। वह 4 मैच में 7 विकेट लेने के बाद इंजर्ड हो गए थे। रिकवरी के बाद उन्हें अब इंडियन टीम में मौका मिल गया। अभिषेक और चक्रवर्ती की वापसी जिम्बाब्वे के खिलाफ इसी साल जुलाई में टी-20 डेब्यू करने वाले अभिषेक शर्मा की भी टीम में वापसी हुई। वह श्रीलंका के खिलाफ टी-20 टीम में शामिल नहीं थे। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में सेंचुरी लगाई थी। वहीं स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भी टीम में चुना गया। उन्होंने 2021 में टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान भारत के लिए आखिरी मैच खेला था।

ग्वालियर, दिल्ली और हैदराबाद में होंगे मैच

सीरीज 6 अक्टूबर से भारत और बांग्लादेश के बीच 2 टेस्ट की सीरीज का दूसरा मुकाबला फिलहाल कानपुर में खेला जा रहा है। मैच 1 अक्टूबर तक होगा। इसके बाद 6 अक्टूबर से दोनों टीमों के बीच टी-20 सीरीज होगी। ग्वालियर, दिल्ली और हैदराबाद में 3 मैच होंगे। 9 अक्टूबर को दूसरा और 12 अक्टूबर को तीसरा टी-20 होगा।

टीम इंडिया इस प्रकार है... सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पंड्या, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, रियान पराग, नितिश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरूण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और मयंक यादव।

15 सदस्यीय स्क्वॉड में ईशान किशन को मौका नहीं

सैमसन और जितेश विकेटकीपर होंगे। ऋषभ पंत को आराम दिए जाने के बाद संजू सैमसन और जितेश शर्मा के रूप में 2 विकेटकीपर चुने गए। 15 सदस्यीय स्क्वॉड में ईशान किशन को मौका नहीं मिला। वहीं हार्दिक पंड्या, रियान पराग, नितिश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे के रूप में टीम में 5 ऑलराउंडर्स शामिल हैं। तेज गेंदबाजों में मयंक के साथ अर्शदीप सिंह और युवा हर्षित राणा को भी मौका मिला। स्पिन डिपार्टमेंट में रवि बिश्नोई को भी चुना गया।

भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी श्रीकांत हारे

मकाऊ ओपन बैडमिंटन: त्रिसा-गायत्री की जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंची

सेंट लुइस (अमरीका). एजेंसी

भारत के किदाम्बी श्रीकांत यहां मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल से बाहर हो गए, लेकिन त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंची। मई में लगी चोट से वापसी कर रहे श्रीकांत हांगकांग के निग का लोंग एंगस के खिलाफ लय हासिल करने में संघर्ष करते दिखे और महज 31 मिनट में 16-21 12-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। त्रिसा और गायत्री की जोड़ी ने क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे की छठी वरीय सु यिन हुई और लोन जिह युन को 21-12 21-17 से शिकस्त दी। भारतीयों में अब त्रिसा और गायत्री की जोड़ी की ही चुनौती शेष है। अब उनका सामना चीनी ताइपे की जोड़ी से होगा।

टीम घोषित: 7 अक्टूबर से शुरू होगी सीरीज

गेंदबाज जॉश हल चोट के कारण पाकिस्तान दौरे से बाहर

लंदन. एजेंसी

इंग्लैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जॉश हल क्वाड चोट के कारण अक्टूबर में वाले पाकिस्तान दौरे से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड टीम पाकिस्तान के खिलाफ 7 अक्टूबर से तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला मुल्तान में खेलेगी। इस सीरीज के लिए इंग्लैंड ने 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की।

स्टोक्स के गेंदबाजी करने की आशंका नहीं

रिपोर्ट्स के अनुसार हैमस्ट्रिंग चोट के कारण कप्तान बेन स्टोक्स के इस सीरीज में गेंदबाजी करने की संभावना नहीं है। **टीम:** स्टोक्स (कप्तान), रेहान, एटकिंसन, बशीर, ब्रूक, ब्रायडन,कॉक्स, क्रॉली, डकेट, लीच, पोप, पॉट्स, रूट, स्मिथ, स्टोन, वोक्स।

किन लोगों को किस उम्र में होता है हार्ट अटैक का सबसे ज्यादा खतरा? जानें

Life&Style METRO

ज 19-24 साल की उम्र वाले लोगों में हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या देखी गई है. आजकल 35 साल से ज्यादा उम्र वाले लोगों में 50 प्रतिशत तक दिल की बीमारी का खतरा बढ़ता है. जब अनहेल्दी कोलेस्ट्रॉल शरीर में काफी ज्यादा बढ़ने लगता है तो कई सारी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है. पिछले कई सालों में युवाओं में अनहेल्दी कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की समस्या देखी गई है. यह एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है. 19-24 साल की उम्र वाले लोगों में हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या देखी गई है. आजकल 35 साल से ज्यादा उम्र वाले लोगों में 50 प्रतिशत तक दिल की बीमारी का खतरा बढ़ता है. आप इसका पता लिपिड प्रोफाइल स्क्रीनिंग का पता लगा सकते हैं. इस उम्र के लोगों को हार्ट अटैक का खतरा ज्यादा रहता है डॉक्टर के मुताबिक भारत में दिल से जुड़ी बीमारी का खतरा काफी तेजी से बढ़ रहा है. युवाओं में दो तरह के कोलेस्ट्रॉल देखने को मिलते हैं. लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन और उच्च घनत्व वाले लिपोप्रोटीन होती है. कोलेस्ट्रॉल आपके दिल के लिए खतरनाक साबित हो सकता है.

हाई कोलेस्ट्राल बन सकता बड़ा कारण

19-24 साल की उम्र वाले लोग को हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या होती है. यह खराब खानपान के कारण होता है. वहीं 35-50 साल की उम्र के दौरान दिल से जुड़ी बीमारी का खतरा अक्सर सताता है. 10 में से 7 लोग हाई कोलेस्ट्रॉल की बीमारी से पीड़ित हैं. पुरुष हो या महिलाएं दोनों में हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या देखने को मिल रही है. मोटापा, धूम्रपान, जेनेटिक बीमारी, थायराइड की समस्या, अस्वास्थ्यकर आहार, हाई बीपी, फिजिकल एक्टिविटी न के बराबर करते हैं उन्हें हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या होती है.

कई बार हो सकती है सीने में दर्द की समस्या

हाई कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारण नसों में प्लाक बनने लगते हैं. जिसके कारण सीने में दर्द की समस्या होती है. जब नस में फैट जमा हो जाता है तो ब्लड सर्कुलेशन में काफी ज्यादा दिक्कत होती है. इसके कारण दिल का दौरा और स्ट्रोक का खतरा रहता है. इसके कारण मृत्यु का जोखिम भी बढ़ने लगता है. कोलेस्ट्रॉल का लेवल और दिल की बीमारी और स्ट्रोक को मापने के लिए हर 6 महीने पर लिपिड प्रोफाइल टेस्ट करना काफी जरूरी होता है. पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए कोलेस्ट्रॉल का स्तर 200 mg/dL से कम होना चाहिए.

नौ माह पहले हुई चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अशोका गार्डन पुलिस ने 9 माह पूर्व सौभाग्य नगर में हुई चोरी का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने ढाई लाख व सोने-चांदी के जेवरात पर हाथ साफ किया था। पुलिस के मुताबिक सौभाग्य नगर अशोका गार्डन निवासी सिमरनजीत कौर पत्नी अमरप्रीत सिंह (33) गृहणी हैं। 27 दिसंबर 2023 की शाम करीब चार बजे वह घर में ताला लगाकर अपने पति के साथ हमीदिया रोड मायके चली गई थीं। विगत 29 दिसंबर की दोपहर घर लौटीं तो घर के ताले टूटे मिले। भीतर सारा सामान बिखरा हुआ था। एक अलमारी का लॉक टूटा था जबकि दूसरी अलमारी के लॉकर में डुप्लीकेट चाबी लगी हुई थी। अलमारी में रखे ढाई लाख रुपए और सोने-चांदी के जेवरात नहीं मिले। पुलिस ने इस मामले में नकबजनी की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी थी।

विवेचना के दौरान 27 सितंबर 2024 को दो संदिग्ध व्यक्ति औद्योगिक क्षेत्र में घूमते नजर आए। हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उन्होंने अपने नाम मनोज उर्फ जितेन्द्र वाल्मीकि (22) निवासी प्रगति नगर व कार्तिक उर्फ चिट्ठी तोमर (20) निवासी सुन्दर नगर बताए। स ती से पूछताछ करने पर दोनों ने करीब नौ माह पूर्व रुचि कलारी के पीछे सूने मकान को ताला तोड़कर चोरी करना कुबूल किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से उक्त चोरी का माल बरामद कर लिया है।

डीएन के लिए पुलिस ने लिया स्पर्म का सैंपल, खून से मिले कपड़े

गुनाह के सबूत इतने कि अतुल को फांसी से बचा पाना मुश्किल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित मल्टी में पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म कर हत्या करने वाले अतुल महाले के गुनाहों के सबूत पुलिस ने जुटा लिए हैं। उसके खिलाफ इतने अहम सबूत जुटाए गए हैं कि उसे मृत्युदंड की सजा से बचा पाना मुश्किल होगा। पुलिस के हाथ सबसे बड़ा सबूत आरोपी के घर से मिली बच्ची की लाश है। इसके अलावा आरोपी के खून से सने कपड़े भी अहम सबूत है। पुलिस ने आरोपी का स्पर्म कलेक्ट किया है। अब स्पर्म की डीएनए और अन्य टेस्ट कराए जाएंगे। ताकि यह साबित किया जा सके कि बच्ची के कपड़े में लगे खून के धब्बे और आरोपी के कपड़ों में लगे खून के धब्बे एक ही हैं। इसके अलावा अन्य सबूत हैं।

इधर, घटना के बाद पुलिस भी महिला सुरक्षा को लेकर सक्रिय हो गई है। एमपी नगर संभाग में महिलाओं व बच्चियों की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए एनडीएसओ पोर्टल के माध्यम से बालिकाओं व महिला अपराध में लिप्त सक्रिय आरोपियों को चिन्हित कर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने दो दिन में करीब 20 आरोपियों के विरुद्ध नवीन भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 126, 135 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई। पूर्व के आरोपियों का वर्तमान हाल पता खोज कर संबंधित थानों को अवगत कराया गया। उपरोक्त आरोपियों से आपराधिक डोजियर भरवाने की प्रक्रिया भी है जारी।

मल्टी में रहने वाले आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों का पुलिस ने बनाया चिट्ठा

आपराधिक गतिविधियों में रहने वालो का चिट्ठा तैयार

बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के बाद रहवासियों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए थे। उनका कहना था कि पुलिस के संरक्षण में यहां नशे का कारोबार जमकर चल रहा है। अब पुलिस मल्टी में रहने वाले आपराधिक गतिविधियां के लोगों का चिट्ठा बना रही है। पुलिस ने मारपीट, लूटपाट, चोरी और महिला और बच्चों से संबंधी अपराधों को अंजाम देने वालों की लिस्ट बना ली है। पुलिस इन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। साथ ही इन्हें जिसने मकान मुहैया कराया है उन मकान मालिकों को भी आरोपी बनाया जाएगा।

कमिश्नर कार्यालय में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

बच्ची के साथ हुई हैवानियत के बाद कांग्रेस के नरेला कांग्रेस प्रत्याशी मनोज शुक्ला के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने शनिवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय का घेराव किया गया। उन्होंने ज्ञापन सौंपते हुए महिला संबंधी अपराधों में अंकुश लगाने की बात कही।

मक्सी नाले में युवक की मिली लाश

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित बायपास पर मक्सी नाले में शनिवार दोपहर एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक के पास मिले आयुष्मान कार्ड के आधार पर परिजन से संपर्क किया गया है। गाडरवाड़ा से परिजन भोपाल के लिए निकल गए है। रविवार को भोपाल पहुंचने पर मृतक की शिनाख्त सुनिश्चित की जाएगी। फिलहाल पुलिस ने शव पीएम के लिए मर्चूरी में रखवा दिया है।

चलते ऑटो में मोबाइल लूटने वाले लुटेरे गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बागसेवनिया थाने के बगल में सुपर चिकन शॉप के सामने आटो में सफर कर रहे युवक से मोबाइल छीनकर भागे लुटेरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार लुटेरे में एक नाबालिग शामिल है। पुलिस के अनुसार अनिल कुमार पिता श्रीराम प्रसाद (45) मूलतः बिहार के हैं और बावड़िया कला में निमार्णाधीन मकान में रहकर मजदूरी करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि बुधवार शाम वह बागसेवनिया मार्केट पहुंची।

खरीदारी करने के बाद आटो की किनारे वाली सीट पर बैठकर बागसेवनिया तिराहा की तरफ आ

रहे थे। शाम करीब पांच बजे के आसपास वह थाने के बगल में सुपर चिकन शॉप के सामने पहुंचे ही थे कि एक स्कूटर पर आए दो बदमाशों में पीछे बैठे बदमाश ने उनके हाथ से झपट लिया। मोबाइल छीनने के बाद बदमाश सिग्नल जंप कर भागे थे।

अनिल कुमार ने बाइक सवार युवक से मदद मांगी और लुटेरों का पीछा किया। आरोपियों का लगा कि फरियादी उनका पीछा कर रहा है तो वह नारायण नगर की तरफ सर्विस लेन पर स्कूटर छोड़कर रेलवे ट्रैक की तरफ भाग निकले।

पुलिस ने बताया कि स्कूटर के नंबर के आधार पर पुलिस अवधपुरी पहुंची। वहां पता चला कि स्कूटर जिस युवती के नाम पर है उस युवती की मौत करीब तीन साल पहले हो चुकी है।

स्कूटर बेच दी थी पर नहीं कराई थी ट्रांसफर

थाना प्रभारी अमित कुमार सोनी ने बताया कि इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक किए गए। फुटेज के आधार पर अर्जुन नगर निवासी 23 साल के आदिल पिता मोहम्मद साकिर मियां को गिरफ्तार किया गया। आरोपी से स्कूटर के बारे में पूछताछ की गई। उसने सुपर चिकन शॉप के सामने से लूट की वारदात को अंजाम देना स्वीकार लिया। आरोपी से स्कूटर के बारे में पूछताछ की गई तो उसने उक्त स्कूटर एक परिचित से खरीदने की बात कही थी। पुलिस ने बताया कि स्कूटर दो बार बेचा और खरीदा जा चुका था, लेकिन उसे ट्रांसफर नहीं कराया गया। लिहाजा वह मृत युवती के नाम पर ही रजिस्टर्ड था। पुलिस ने आरोपी और नाबालिग के कब्जे कुल पांच मोबाइल जब्त किए है। पुलिस मोबाइल के बारे में पता लगा रही है कि वे किसके हैं। दरअसल, आरोपी ने केवल ही एक लूट की वारदात को अंजाम देना स्वीकारा।

एक्सीडेंट में कंटेनर का हेल्पर घायल

भोपाल। मिसरोद इलाके में एक्सीडेंट में कंटेनर का हेल्पर बुरी तरह से घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक हरियाणा के मेवात का रहने वाला यूनुस (30) ड्रायवरी करता है। वह अपने कंटेनर में सूरत से माल भरकर कलकत्ता जाने के लिए निकला था। पिछले दिनों 11 मील बायपास पर पहुंचा, तभी उसके आगे चल रहे टेलर के चालक ने अचानक ब्रेक लगाकर टेलर को रोक दिया। इससे पीछे चल रहा यूनुस का कंटेनर जाकर टकरा गया। इस हादसे में हेल्पर समीम कंटेनर के अगले हिस्से में दब गया। लोगों की मदद से उसकी किसी तरह बाहर निकाला गया। एम्बुलेंस की मदद से दोनों को इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल पहुंचाया गया। यहां डॉक्टर ने यूनुस को मलहम पट्टी कर दी, जबकि समीम को हमीदिया रैफर कर दिया।

एम्स अस्पताल की पार्किंग से डॉक्टर की स्कूटर चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। बागसेवनिया स्थित एम्स अस्पताल की पार्किंग से एक डॉक्टर की स्कूटर चोरी हो गई। कई अन्य स्थानों से भी दोपहिया वाहन चोरी हुए हैं। पुलिस के मुताबिक रनतलाल (26) एम्स अस्पताल में डॉक्टर हैं और होस्टल में रहते हैं। पिछले दिनों उन्होंने अपनी स्कूटर ट्रामा सेंटर के पास बनी पार्किंग में खड़ी की थी। अगले दिन देखा तो स्कूटर चोरी हो चुकी थी। तलाश करने के बाद भी जब स्कूटर का कुछ पता नहीं चला तो उन्होंने थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इधर सैयद फजल हुसैन (55) सारंगपुर जिला राजगढ़ के रहने वाले हैं और फिलहाल शिवनगर फेस तीन छोला मंदिर में रहते हैं।

गत दिवस उन्होंने आरिफ नगर मस्जिद के सामने मैदान में अपनी स्कूटर खड़ी की और नमाज पढ़ने चले गए। वापस लौटने पर स्कूटर चोरी हो चुकी थी। इधर रेलवे स्टेशन के सामने पार्किंग से मोहम्मद फैजान की स्कूटर चोरी हो गई। फैजान ऐशबाग में रहते हैं और एक ट्रैवल्स में मैनेजर हैं। शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे उन्होंने स्कूटर खड़ी की और बस में सवारियां बिठाने लगे।

बाइक की टक्कर से स्कूटर सवार महिला घायल

अयोध्या नगर इलाके में एक तेज रफ्तार बाइक चालक ने महिला को टक्कर मारकर घायल कर दिया। घायल महिला को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक नूपुर वैश्य (33) कांता श्रवण अयोध्या नगर में रहती हैं और जिला न्यायालय भोपाल में नौकरी करती हैं। शुक्रवार सुबह करीब सवा दस बजे वह अपनी स्कूटर से ड्यूटी जाने के लिए घर से निकली थी।

स्कूल प्रबंधन पर कार्यवाही की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अवनीश बुंदेला ने पुलिस कमिश्नर को राजधानी में स्कूली बच्चियों के साथ हो रही यौन शोषण की घटनाओं को लेकर स्कूल प्रबंधन के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही किये जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। बुंदेला ने ज्ञापन में कहा कि रेडक्लिफ स्कूल में अध्ययनरत नर्सरी की छात्रा के साथ स्कूल के शिक्षक द्वारा यौन कृत्य की घटना को अंजाम दिया गया। उक्त घटना की रिपोर्ट 1 अभिभावकों द्वारा कमल नगर थाने में दर्ज करायी गई। स्कूल प्रबंधन बच्चों को सुरक्षा देने के साथ-साथ अपने कर्तव्यपालन में पूरी तरह असफल हुआ है। स्कूल प्रबंधन द्वारा घटना की सूचना भी तत्परता के साथ पुलिस को नहीं देने की बात सामने आई है। यह बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा 19/21 का स्पष्ट उल्लंघन है। इसी तरह कटारा हिल्स स्थित सागर पब्लिक स्कूल में टीचर द्वारा यौन शोषण की घटना को अंजाम दिया गया। उक्त घटनाओं से बच्चों के अभिभावकों में भय और आक्रोश के साथ-साथ असुरक्षा की भावना व्याप्त हो रही है। कांग्रेस नेताओं ने दोनों स्कूल प्रबंधन के विरूद्ध संज्ञान लेकर वैद्यानिक कार्यवाही की मांग की है। इस मौके पर स्वदेश शर्मा, आनंद जाट, मिथुन अहिरवार, फरहाना खान सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

यौन शोषण मामले

बाइक की टक्कर से महिला गंभीर घायल

भोपाल। कोहेफिजा स्थित खानूगांव के पास तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से स्कूटर सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक खजूरी कला अवधपुरी निवासी मीरा उमाडे (47) हेल्थ इंश्योरेंस का काम करती हैं। गुरुवार की शाम करीब साढ़े सात बजे वह स्कूटर से बैरागढ़ की तरफ जा रही थी। खानूगांव चौराहे से आगे निकली, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार बाइक के चालक ने उनकी स्कूटर में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही मीरा स्कूटर समेत स?क पर गिरकर घायल हो गई। राहगीरों की मदद से उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

एक्सीडेंट में घायल युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित रापड़िया इलाके में सड़क हादसे में घायल हुए युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। इस हादसे में दूसरी बाइक पर सवार दो युवकों को भी गंभीर चोट आई है, जिन्हें इलाज के लिए लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक अभिषेक प्रजापति (24) ग्राम रापड़िया का रहने वाला था और प्रायवेट काम करता था। बीती 26 सितंबर की सुबह करीब आठ बजे वह बाइक लेकर काम पर जाने के लिए घर से निकला था। रापड़िया जोड़ के पास हाइवे पर उसकी बाइक सामने से आ रही दूसरी बाइक से टकरा गई। दूसरी बाइक पर दो युवक सवार थे।

मेट्रो एंकर

22 ट्रेनों से गंतव्य पर पहुंच सकेंगे मुसाफिर

ट्रेनों में जगह नहीं, रेल्वे ने दिया स्पेशल रेल का विकल्प

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

इस बार दीवाली पर ट्रेनों में भीड़ है और अभी से रिजर्वेशन भी फुल हो रहे हैं ऐसे में स्पेशल ट्रेन में बुकिंग का विकल्प उभरा है। मध्य प्रदेश के रेल यात्रियों के लिए पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल, इटारसी, जबलपुर, नरसिंहपुर, पिपरिया, कटनी, सतना, भोपाल, खंडवा, बीना आदि स्टेशनों से गुजरने वाली 22 ट्रेनों में बुकिंग कर सकते हैं। इसमें कुछ ट्रेनें भोपाल मंडल भी चला रहा है।

यह सभी ट्रेनें देश के अलग अलग राज्यों के लिए मध्य प्रदेश के अनेक स्टेशनों से होते हुए जाएंगी। ट्रेनों की सही स्थिति जानने के लिए यात्री NTES ऐप का इस्तेमाल भी किया जा रहा है। ऐप पर ट्रेन का पूरा शेड्यूल मौजूद है। स्पेशल ट्रेन में 05069 छपरा-पनवेल स्पेशल गाड़ी 30 नवंबर तक छपरा से प्रत्येक शनिवार को दोपहर 1.15 बजे प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों पर रुकते

हुए अगले रात 12:00 पर पनवेल पहुंचेगी। 05070 पनवेल छपरा स्पेशल ट्रेन 1 दिसंबर 2024 तक पनवेल से प्रत्येक शनिवार को रात्रि 11:20 पर खुलेगी और तीसरे दिन सुबह 11:35 बजे छपरा पहुंचेगी। यह ट्रेन बलिया, गाजीपुर, औंड़िहार, जौनपुर, वाराणसी, मिर्जापुर, प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर, सतना, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, पिपरिया, इटारसी, भुसावल, नासिक रोड, इगतपुरी, कल्याण स्टेशन पर हॉल्ट लेगी।

पुणे-दानापुर-पुणे के मध्य स्पेशल ट्रेनःगाड़ी संख्या 01205 पुणे-दानापुर सुपर फास्ट स्पेशल ट्रेन 25 अक्टूबर से 7 नवंबर तक पुणे स्टेशन से 3.30 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन रात में 2 बजे दानापुर स्टेशन पहुंचेगी। 01206 दानापुर- पुणे स्पेशल ट्रेन 27 अक्टूबर से 9 नवंबर तक दानापुर स्टेशन से 5.30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन शाम 6.15 बजे पुणे स्टेशन पहुंचेगी। यह ट्रेन दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, कोपरगांव, मनमाड़, भुसावल, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा स्टेशनों पर रुकेगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022